RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 79 ता. 15 सितम्बर 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

कोलकाता में लाबारिश बैग में धमाका, एक शख्स जख्मी

कोलकाता। कोलकाता में एक लाबारिश बैग में धमाका हो गया, जिसमें एक शख्स घायल हो गया है। घायल को एनआरएस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार शनिवार करीब पौने दो बजे तलतला पुलिस थाने को एक संदिग्ध बैग पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई थी। बैग की जांच हो पाती उससे पहले ही एक व्यक्ति ने उसे उठाने की कोशिश की। इसी बीच उसमें धमाका हो गया, जिससे कचरा बीनने वाला एक शख्स घायल हो गया। घायल व्यक्ति को एनआएस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि यह धमाका ब्लोचमैन सेंट और एसएन बनर्जी रोड पर पड़े प्लास्टिक बैग में हुआ था। दरअसल बैग को देख वहां से गुजर रहे व्यक्ति ने उसे उठाने की कोशिश की थी और उसी वक्त उसमें धमाका हो गया। इसके फौरन बाद ही घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई और जांच शुरु कर दी गई है। मौकए बारदात पर बीडीडीएस टीम को बुलाया गया। कुछ समय के लिए यातायात आवागमन भी बाधित रहा। बीडीडीएस कर्मी घटनास्थल पर पहुंच बैग के आसपास वाली जगहों को चिंहित करते हुए जांच कर रहे थे और उसके बाद ही यातायात को वहां से गुजरने की अनुमति दी गई। इस हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान बापी दास (58) के तौर पर हुई है, जोकि एसएन बनर्जी रोड स्थित फुटपाथ पर ही रहता था। फोरेंसिक जांच के साथ ही पुलिस अपनी आगे की कार्रवाई कर रही है।

मेट्रो बन रही लोगों की पसंद, एक महीने में 17 बार टूटा पैसेंजर जर्नी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बारिश से गुड़गांव में भारी जाम आए दिन लग रहा है और सड़कों की खस्ता हालत का असर अब मेट्रो की राइडरशिप पर पड़ रहा है। मेट्रो में इतनी भीड़ है कि पैसेंजर जर्नी का पिछला जो रेकॉर्ड बना था, वह एक महीने में 13 बार टूट चुका है। 13 फरवरी 2024 को मेट्रो में 71,09,938 पैसेंजर जर्नी का रिकॉर्ड बनाया था जबकि 12 अगस्त से 12 सितंबर के बीच 13 बार इससे ज्यादा लोगों ने मेट्रो में यात्रा की है। पिछले एक साल में बने पैसेंजर जर्नी के टॉप-20 रिकॉड्र्स में 19 रिकॉड्र्स इसी साल के हैं। डीएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि 9, 10, 11 और 12 सितंबर को चार दिन दिल्ली मेट्रो में 73 से 77 लाख पैसेंजर जर्नी का रिकॉर्ड बना है। इसके साथ ये चारों दिन पैसेंजर जर्नी के अब तक के टॉप-5 दिनों में शामिल हो गए हैं। इनके ऊपर केवल एक रिकॉर्ड है, जो 20 अगस्त को बना था। उस दिन मेट्रो में सबसे ज्यादा 77,49,682 पैसेंजर जर्नी रेकॉर्ड की गई थी। मेट्रो में बढ़ रही भीड़ को देखते हुए डीएमआरसी ने सभी मेट्रो लाइनों पर और ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक का कहना है कि मेट्रो में बढ़ती यात्रियों की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि अभी भी सबसे सुरक्षित, भरोसेमंद, आरामदायक, एयर कंडीशंड और अनुशासित पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में दिल्ली मेट्रो ही दिल्ली-एनसीआर के लोगों की पहली पसंद बन गई है।

भारत में तेजी से घट रहे हैं टेलीविजन के दर्शक

नई दिल्ली । भारत में 2020 के बाद से टेलीविजन के दर्शकों की संख्या बड़ी तेजी के साथ घटती जा रही है। स्टेटिस्टा की रिपोर्ट के अनुसार 2020 में टेलीविजन के दर्शकों की संख्या 1.73 लाख करोड़ थी। जो 2023 में घटकर मात्र 1.50 लाख करोड़ रह गई है। भारतीय दर्शकों में सबसे ज्यादा रुचि खेल के चैनल देखने को लेकर है। भारत के युवा सबसे ज्यादा खेल चैनल को देखते हैं। न्यूज़ चैनल देखने वाले दर्शकों की संख्या बड़ी तेजी के साथ घटती जा रही है। जिस तरह से सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है। उसके बाद से दुनिया भर के सभी देशों में टेलीविजन के दर्शकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है।

हरियाणा में अरबपति और करोड़पति लड़ रहे हैं, विधानसभा का चुनाव

नई दिल्ली । गरीबों की लड़ाई लड़ने के लिए अब विधानसभा का चुनाव अरबपति और करोड़पति बड़ी संख्या में लड़ रहे हैं। 6 से ज्यादा अरबपति इस चुनाव मैदान में है। वहीं करोड़पतियों की संख्या भी 3 दर्जन से ज्यादा है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव में सबसे अमीर उम्मीदवार के रूप में कैप्टन अभिमन्यु की पहचान की गई है। उनके पास 417 करोड रुपए की संपत्ति है। वह भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरे नंबर पर सावित्री जिंदल हैं। यह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरी हैं। इनके पास भी 270 करोड रुपए से अधिक की संपत्ति है। इसके पहले यह भाजपा में थी। तीसरे नंबर पर भाजपा उम्मीदवार शक्ति रानी शर्मा है। इनके पास 145 करोड रुपए की संपत्ति है। सबसे धनी उम्मीदवारों के रूप में चौथे नंबर पर गोपाल गोयल का नाम आता है। इनके पास 135 करोड रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। यह एचएलपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पांचवें नंबर पर विपुल गोयल हैं। यह भी भाजपा के उम्मीदवार हैं। इनके पास 116 करोड रुपए की संपत्ति है। छठवें नंबर पर बलराज कुंडू आते हैं। जो हरियाणा जन सेवक पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं। इनके पास भी 108 करोड रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। अर्थात यह सब अरबपति हैं। गरीबों की लड़ाई लड़ने के लिए यह सभी विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा करोड़ों रुपए की संपत्ति के मालिकों की संख्या हरियाणा के चुनाव में सबसे ज्यादा है।

कुरुक्षेत्र रैली में बोले पीएम नरेंद्र मोदी: कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप

कुरुक्षेत्र।

हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र में पहली रैली की। उन्होंने कहा कि गांधी जी हमेशा से सत्य की वकालत करते थे, आजादी के कुछ वर्षों तक कांग्रेस पर गांधी जी के आदर्शों का असर रहा, लेकिन आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है। कांग्रेस को झूठ बोलने पर अब शर्म नहीं आती। कांग्रेस हर रोज एक नया झूठ बोलती है। कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। कांग्रेस देश पर नक्सलवाद थोप रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही (गांधी) परिवार आरक्षण को खत्म करने वाला है। मगर, जब तक मोदी है, आरक्षण की रत्ती भर भी लूट नहीं होने दूंगा। पीएम ने हरियाणा के लोगों को चेताया कि अगर यहां कांग्रेस की सरकार आई तो इसकी हालत भी हिमाचल जैसी हो जाएगी। जहां सरकार के पास कर्मचारियों को सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। यहां तक कि सीएम और मंत्रियों को अपनी सैलरी छोडऩी पड़ रही है।

किसानों के मुद्दे पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने कांग्रेस को चैलेंज दिया कि वे कर्नाटक और तेलंगाना में इन स्कीमों को लागू करें। मोदी ने कहा कि तेलंगाना में कुछ ही महीनों में 1200 किसान खुदकुशी कर चुके हैं। कांग्रेस के लोगों को डूब मरना चाहिए। उनके मुंह में किसानों की मौत का पाप है। हरियाणा में भाजपा सरकार 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है।

कांग्रेस एक परिवार को आगे बढ़ाकर राजनीति कर रही

नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस का दलित विरोधी चेहरा हरियाणा से बेहतर कौन जानता है। हरियाणा में जब-जब कांग्रेस की सरकार आती है तो दलतियों का जीना मुश्किल हो जाता है। 2005 में गोहाना में कितना बड़ा कांड हुआ, मिर्चपुर कांड हुआ। 2012 में जो हुआ, उसे याद करके रूह कांप जाती है। तब मैंने यह कहा था कि दिल्ली के शाही परिवार और पूर्व सीएम हुड्डा के मुंह पर ताले गए थे। मैं एक और बात बताऊंगा, कांग्रेस में एक अंदरूनी महाभारत चल रही है। जिस तरह यहां एक परिवार को आगे बढ़ाकर कांग्रेस राजनीति कर रही है, वह पूरा दलित समाज देख रहा है। भाजपा की सरकार पूरी ईमानदारी से लोगों के विकास में जुटी हुई है। जब यहां कांग्रेस की सरकार थी, तब खर्ची और पर्ची के बिना नौकरी नहीं मिलती थी। भाजपा ने इस खेल को खत्म कर दिया है। इसकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। भाजपा की सरकार ने पूरी ईमानदारी से डेढ़ लाख नौकरियां दीं। हमारे मुख्यमंत्री 25 हजार और नौकरियां देने जा रहे हैं, लेकिन हरियाणा कांग्रेस के भर्ती रोकों गैंग ने अड़ंगा लगा दिया। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार आने का मतलब है कि सबका साथ सबका विकास।

कांग्रेस ने वन रैंक वन पेंशन को लटकाया

नरेंद्र मोदी ने कहा कि वीर जवानों के साथ भी कांग्रेस ने धोखा किया है। बीजेपी ने वन पेंशन वन स्कीम लागू की। इससे हरियाणा के डेढ़ लाख हरियाणा के फौजियों को करोड़ों रुपए का फायदा मिला। कांग्रेस ने इसे दशकों से लटकाए रखा था। हमने तीसरी टर्म में भी इसे रिवाइज कर दिया। अक्टूबर से फौजियों को इसका लाभ मिलने लग जाएगा। यहां आने से पहले मैं जम्मू कश्मीर में था। वहां कांग्रेस पार्टी 370 को फिर से बहाल करने का संकल्प ले रही है। आपको क्या ये मंजूर है। ऐसा पाप करने वाली कांग्रेस को सजा मिलनी चाहिए। कुछ साल पहले तक वहां हरियाणा के वीर सैनिकों पर जो पत्थर चलते थे, आतंकवादी गोलियां चलाते रहते थे। मेरे हरियाणा के वीर सपूत हर सप्ताह तिरंगे में लिपटकर वापस आते थे। कांग्रेस धारा 370 को वापस लाने का समर्थन करके उस दौर को वापस लाना चाहती है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान के बाद अब चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा

गलवान समेत चार इलाकों से सेनाएं हटीं, बॉर्डर पर हालात स्थिर और कंट्रोल में

नई दिल्ली/ बीजिंग।

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर गलवान घाटी समेत 4 इलाकों से दोनों देशों की सेनाएं हटी हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग के कहा कि बॉर्डर पर हालात स्थिर और कंट्रोल में हैं। चीनी विदेश मंत्रालय का यह बयान एनएसए अजीत डोभाल की चीनी विदेश मंत्री वांग यी से रूस में मुलाकात के बाद आया है। इससे पहले गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के 75 प्रतिशत मामले सुलझा लिए गए हैं। हालांकि सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक का मसला अभी भी अनसुलझा है। पिछले 3 साल में दोनों पक्षों के बीच इन पॉइंट्स को लेकर कोई डेवलपमेंट नहीं हुआ है। गौरतलब है कि अजीत डोभाल ने 12 सितंबर को रूस में ब्रिक्स देशों के एनएसए की मीटिंग के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी। इस दौरान अजीत डोभाल ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य करने लिए सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया था। उन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करने के लिए भी कहा। इस बैठक में दोनों देशों ने जल्द से जल्द बाकी इलाकों से भी सेना की वापसी में तेजी लाने पर सहमति जताई। डोभाल ने जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों को द्विपक्षीय समझौते, प्रोटोकॉल और आपसी सहमतियों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए।

जय शंकर ने कहा था- 75 प्रतिशत मामले सुलझे

जिनेवा में एक समिट के दौरान बात करते हुए जयशंकर ने भी चीन के मुद्दे पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि 2020 में चीन और भारत के बीच गलवान में हुई झड़प ने दोनों देशों के रिश्तों को बुरी तरह प्रभावित किया है। सीमा पर हिंसा होने के बाद या नहीं हो सकता कि इससे दोनों देशों पर असर नहीं पड़ेगा। दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं का एक-दूसरे के आमने-सामने होना एक बड़ा मुद्दा है। अगर सीमा विवाद का समाधान हो जाता है, तो भारत-चीन संबंधों में सुधार संभव है।

भारत-चीन के बीच 21 दौर की चर्चा हो चुकी

भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच मई 2020 से टकराव चल रहा है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला है। हालांकि, दोनों देशों की सेनाएं रुष्ट के कई पॉइंट्स से अलग हो गई हैं। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के संबंध भी बिगड़े। भारत हमेशा यह कहता रहा है कि जब तक बॉर्डर एरिया में शांति नहीं होगी, चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। दोनों देशों की सेनाओं के बीच सीमा पर टकराव विवाद को हल करने के लिए अब तक कोर कमांडर-लेवल की 21 दौर की चर्चा हो चुकी है।

लाड़ले को बचाने के लिए भेड़िए से भिड़ गई गुडिया

बहराइच। नसीरपुर गांव की एक महिला अपने बच्चों को बचाने के लिए वन्यजीव से भिड़ गई। इस महिला ने अपने बच्चे को पीठ पर टांग लिया और उस वन्यजीव का सारा वार अपने ऊपर सह गई। इस महिला का इलाज बहराइच के जिला अस्पताल में चल रहा है। लोग इसे भेड़िये का हमला बता रहे हैं, जबकि वन विभाग का कहना है कि वह इसकी जांच कर रहा है। फूट-फूटकर रोते हुए इस महिला ने बताया कि कैसे वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। 28 साल की गुड़िया की कहानी, जो भी सुन रहा है वह हैरत में है कि अपने जिगर के टुकड़े को बचाने के लिए गुड़िया ने जो किया वो एक मां ही कर सकती है। ऐसा साहस, ऐसी जीवटता एक मां ही दिखा सकती है। एक तरफ गुड़िया जैसी मां की कहानी कलेजा चीर देती है, तो दूसरी तरफ वन विभाग के अपने तर्क हैं। वन विभाग ने महसी तहसील में एक ही रात में तीन लोगों पर वन्य जीव के हमले पर बयान जारी करते हुए बताया यह हमला भेड़िये का प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि घटनास्थल पर भेड़िये का कोई निशान नहीं मिला है। हालांकि ग्रामीण चीख-चीखकर कह रहे हैं कि यह हमला भेड़िये ने ही किया है।ग्रामीणों का कहना है कि इतनी जोरदार बारिश में भेड़िये के पगचिह्न कैसे मिलेंगे। गौरतलब है कि वन्य जीव के हालिया हमले में घायल तीनों पीड़ितों का इलाज जिला अस्पताल के भेड़िया वार्ड में चल रहा है। सीएचसी ने अपनी रिपोर्ट में इसे वन्यजीव के हमले से चोट बताया है। सम्मन पुरवा में हुई घटना को वन विभाग ने पगचिह्न को कुत्ते का बता दिया। उधर वन विभाग ने इलाके में कुत्तों और सियार के पगचिह्न मिलने की बात कही। वन विभाग का कहना है कि महसी में सियारों और कुत्तों की संख्या ज्यादा है। वन विभाग ने कहा कि इलाके से 5 भेड़ियों के पकड़े जाने के बाद केवल एक ही भेडिया अब वहां बचा है।

रात भर बारिश में आप प्रदर्शन करते रहे.....मैं परेशान रही, सो नहीं सकी

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से सीएम ममता की अपील

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साल्ट लेक स्थित स्वास्थ्य भवन में प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ममता ने आश्वासन दिया कि वे सीनियर अधिकारियों से मिलकर उनकी समस्या का समाधान निकालेंगी। इतना ही नहीं, ममता ने डॉक्टरों से समय मांगा और दोषियों को सजा दिलाने का भी वादा किया।

मुख्यमंत्री ममता ने प्रदर्शन स्थल पर चिकित्सकों से कहा कि संकट को हल करने का यह मेरा आखिरी प्रयास है। उन्होंने कहा कि आरजी कर अस्पताल की रोगी कल्याण समिति को भंग करने की घोषणा की। हालांकि ममता की बातों का डॉक्टरों पर बहुत असर पड़ता नहीं दिखा। ममता बनर्जी के धरना स्थल पर पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि जब तक चर्चा नहीं हो जाती, हम अपनी मांगों को लेकर समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ममता ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से कहा कि मैं खुद छात्र आंदोलन करके आगे आई हूं, मैंने अपने जीवन में भी बहुत संघर्ष किया है, मैं आपके संघर्ष को समझती हूं। मुझे मेरे पद की चिंता नहीं है। कल रात भर बारिश हुई आप यहां धरने पर बैठे थे मैं रात भर परेशान रही... आपकी मांगों को आपसे सुनने के बाद मैं उसका अध्ययन करूंगी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि आपकी 'दीदी' के तौर पर मिलने आई हूं।

ममता ने कहा कि मैं अकेले सरकार नहीं चलाती, मैं आपकी मांगों का वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अध्ययन कर समाधान जरूर निकालूंगी। जो भी दोषी होगा उस सजा जरूर मिलेगी। सीएम ने कहा कि मैं आपसे थोड़ा समय मांग रही है। आपके (विरोध कर रहे डॉक्टरों के) खिलाफ राज्य सरकार कोई एक्शन नहीं लेगी। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप काम पर वापस लौटें।

कोलकाता में लाबारिश बैग में धमाका, एक शख्स जख्मी

कोलकाता।

कोलकाता में एक लाबारिश बैग में धमाका हो गया, जिसमें एक शख्स घायल हो गया है। घायल को एनआरएस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार शनिवार करीब पौने दो बजे तलतला पुलिस थाने को एक संदिग्ध बैग पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई थी। बैग की जांच हो पाती उससे पहले ही एक व्यक्ति ने उसे उठाने की कोशिश की। इसी बीच उसमें धमाका हो गया, जिससे कचरा बीनने वाला एक शख्स घायल हो गया। घायल व्यक्ति को एनआएस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि यह धमाका ब्लोचमैन सेंट और एसएन बनर्जी रोड पर पड़े प्लास्टिक बैग में हुआ था। दरअसल बैग को देख वहां से गुजर रहे व्यक्ति ने उसे उठाने की कोशिश की थी और उसी वक्त उसमें धमाका हो गया। इसके फौरन बाद ही घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई और जांच शुरु कर दी गई है। मौकए बारदात पर बीडीडीएस टीम को बुलाया गया। कुछ समय के लिए यातायात आवागमन भी बाधित रहा। बीडीडीएस कर्मी घटनास्थल पर पहुंच बैग के आसपास वाली जगहों को चिंहित करते हुए जांच कर रहे थे और उसके बाद ही यातायात को वहां से गुजरने की अनुमति दी गई। इस हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान बापी दास (58) के तौर पर हुई है, जोकि एसएन बनर्जी रोड स्थित फुटपाथ पर ही रहता था। फोरेंसिक जांच के साथ ही पुलिस अपनी आगे की कार्रवाई कर रही है।

माधबी बुच की सफाई के बाद कांग्रेस का नया आरोप, कहा

सेबी प्रमुख ने लिस्टेड कंपनियों में की ट्रेडिंग

नई दिल्ली।

सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच पर हमला बोलते हुए कांग्रेस ने शनिवार को नए आरोप लगाए हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि सेबी प्रमुख ने पद पर रहते हुए लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की जो कि गलत है। इसके अलावा उन्होंने चाइनीज फंड्स में भी निवेश किया है। खासकर उस वक्त जब भारत चीन के साथ भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने माधबी बुच के खिलाफ नए आरोपों की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि उन्होंने पूर्णकालिक सदस्य के रूप में और बाद में सेबी अध्यक्ष के रूप में 36.9 करोड़ रुपये की लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की है। कांग्रेस का ये हमला सेबी अध्यक्ष के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें माधबी बुच ने कहा था कि उन्होंने सभी जरूरी खुलासे कर दिए हैं और महिंद्रा समूह जैसी कंपनियों के साथ काम करने में दिशा-निर्देशों का पालन किया है, जिन्होंने उनके पति को नौकरी दी थी। इसके साथ ही उन्होंने अनियमितता के आरोपों को झूठा, दुर्भावनापूर्ण बताकर खारिज कर दिया था।

बुच दंपति ने जारी किया था साझा बयान

माधबी बुच और उनके पति धवल बुच ने एक संयुक्त बयान में कांग्रेस की तरफ से सेबी की पूर्णकालिक सदस्य होने के बावजूद अपने पिछले नियोक्ता आईसीआईसीआई बैंक से भुगतान प्राप्त करने के मुद्दे पर भी चर्चा की। बयान में कहा गया है कि माधबी बुच ने कभी भी अगोरा एडवाइजरी और अगोरा पार्टनर्स से जुड़ी किसी फाइल को नहीं देखा - ये वे सलाहकार कंपनियां हैं जिनमें उनकी 99 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और 2017 में बाजार नियामक संस्था सेबी में शामिल होने के बाद भी वे आय हासिल करती रहीं।

कांग्रेस ने बुच पर लगाया नियमों के उल्लंघन का आरोप

इससे पहले कांग्रेस ने कहा है कि सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच ने नियमों का उल्लंघन कर सत्ता का दुरुपयोग किया है और निजी स्तर पर अनुचित लाभ कमाया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच ने सत्ता का दुरुपयोग कर निजी लाभ के लिए नियमों को तोड़ा है। उसकी परतें पिछले 2 सितंबर से लगातार उजागर की जानी शुरू की गई है कि कैसे उन्होंने देश के लोगों को धोखा दिया है।

डोडा की रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले

इस बार का चुनाव तीन खानदानों और नौजवानों के बीच

डोडा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर के डोडा में एक बड़ी चुनावी रैली कर रहे हैं। 42 साल में ऐसा पहली बार है जब कोई प्रधानमंत्री डोडा में जनसभा कर रहा है। इस दौरान पीएम मोदी ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में आ रहा बदलाव हमारी सरकार की बीते 10 सालों की कोशिशों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद आज अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि खूबसूरत जम्मू-कश्मीर को परिवारवाद ने खोखला कर दिया, राजनीतिक दलों को सिर्फ बच्चों की चिंता रही है। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव तीन खानदानों और जम्मू कश्मीर के नौजवानों के बीच है।

भीड़ को देखकर गदगद नजर आए पीएम मोदी ने कहा, आप सब यहां डोडा, किश्तवाड़ और रामबन के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे हैं।यहां आने के लिए आपने घंटो सफर किया है, इसके बावजूद आपके चेहरे पर थकान का नामोनिशान नहीं है और चारों तरफ जोश ही जोश है। आपका ये प्यार, आपके ये आशीर्वाद मैं आपके लिए और देश के लिए दोगुनी, तिगुनी मेहनत करके चुकाऊंगा। हम और आप मिलकर एक सुरक्षित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर का निर्माण करेंगे।

हमारे जम्मू कश्मीर में दो संविधान चलते थे

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजकल ये लोग संविधान को अपनी जेब में रखते हैं। ये दिखावा ये अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए कर रहे हैं। हकीकत क्या है, ये जम्मू कश्मीर का बच्चा-बच्चा जानता है। इन लोगों ने बाबा साहेब के बनाए संविधान की आत्मा को नोच दिया था। वरना क्या कारण था कि हमारे जम्मू कश्मीर में दो संविधान चलते थे। क्यों यहां के लोगों को वो हक नहीं मिलता था, जो बाकी देश में मिलता था। क्या कारण है कि यहां हमारे पहाड़ी भाई-बहनों को इतने वर्षों आरक्षण नहीं मिला। जम्मू कश्मीर में ये एससी-एसटी और ओबीसी का नाम तक नहीं लेते थे। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए पीएम ने कहा कि इतनी पीढ़ियां गुजरने के बाद उनको भाजपा सरकार ने आरक्षण दिया है।आज ऐसे अनेक साथी हैं, जिनको पहली बार वोट डालने का हक मिला है। भारत का संविधान हर किसी को वोट का अधिकार देता है। लेकिन संविधान को जेब में लेकर घूमने वालों ने 75 सालों तक आप में से कुछ लोगों से वोट देने का अधिकार छीन लिया था।

आतंकवाद गिन रहा है अंतिम सांसें

पीएम मोदी ने कहा कि आप याद करिए वो समय जब दिन ढलते ही यहां अघोषित कर्फ्यू लग जाता था। हालत ये थी कि तब कांग्रेस की केंद्र सरकार के गृहमंत्री तक लाल चौक जाने से डरते थे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। पिछले 10 साल में यहां जो बदलाव आया है, वो किसी सपने से कम नहीं है।

जो पत्थर पहले पुलिस और फौज पर बैठने के लिए उठते थे, उन पत्थरों से नया जम्मू कश्मीर बन रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का काम भी भाजपा सरकार ही करेगी। लेकिन आपको ऐसे लोगों से सावधान रहना है, जो अपने स्वार्थ के लिए आपका अधिकार छीनते रहे हैं।

विपक्ष को लिया निशाने पर

विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया।जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया। इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया।

ये नन्हा मेहमान कौन है......जिसे दुलारते, चूमते दिख रहे पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे पीएम हाउस में गाय के बच्चे के साथ दिख रहे हैं। पीएम मोदी बड़े प्यार से गाय को दुलार रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस नव वत्सा का नाम उन्होंने दीपज्योति रखा है। इसके पहले भी पीएमओ से पीएम मोदी के गाय के साथ वीडियो और तस्वीर सामने आते रहे हैं। लेकिन इस गाय के बच्चे के साथ पीएम मोदी का वीडियो काफी वायरल हो रहा है। पीएम मोदी ने पोस्ट कर कहा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है-गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है।

क्या है इन गाय की खासियत?

पीएम मोदी का मकर संक्रांति के मौके पर भी गायों का चारा खिलाते हुए वीडियो सामने आया था। पीएम आवास पर कई गाय पाली गई हैं, इनके साथ अक्सर पीएम मोदी समय बिताते हैं। ये आम गाय से थोड़ी से अलग हैं। ये गाय पुंगनूर नस्ल की हैं और आंध्र प्रदेश से ताल्लुक रखती है। इनकी हाइट सिर्फ ढाई से तीन फीट तक होती है। ये गाय अत्यधिक पौष्टिक दूध देती है। ये दुनिया की सबसे छोटी गाय हैं, यह विलुप्त होने की कगार पर हैं। शायद इसकारण प्रधानमंत्री मोदी ने इन गाय को अपने आवास में लाए हैं, ताकि लोगों में इस गाय के बारे में जागरुक किया जा सके, ताकि आम लोग भी इस गाय का संरक्षण करें।

सेना की इंफ्रेंट्री यूनिट को मिली स्वदेशी एंटी ड्रोन गन, स्वदेशी स्टार्टअप ने तैयार किया

नवंबर में शुरू होगी इसकी डिलेवरी

नई दिल्ली ।

ड्रोन के बढ़ते खतरे के बीच भारतीय सेना की इंफ्रेंट्री यूनिट को स्वदेशी एंटी ड्रोन गन मिली है। इतना ही नहीं जल्द ही सेना को इससे ज्यादा रेंज वाली एंटी ड्रोन गन भी मिलेगी। इस एंटी ड्रोन गन को स्वदेशी स्टार्टअप ने तैयार किया है। करीब चार माह पहले ही सेना की एक यूनिट को ये गन सप्लाई की गई हैं। इससे कुछ बड़े एंटी ड्रोन सिस्टम को भी बनाया गया है और आर्मी और एयरफोर्स से समझौता साइन हुआ है। इसकी डिलीवरी नवंबर में शुरू होगी।

पूरी दुनिया में आजकल ड्रोन और एंटी ड्रोन की बात कर रही है, फिर रूस और यूक्रेन का युद्ध हो या इस्राइल और हमास के बीच की जंग। ड्रोन का इस्तेमाल जमकर हो रहा है। दुनिया भर की फौज ड्रोन के इस्तेमाल को लेकर सतर्क हैं। भारत में भी लगातार एंटी ड्रोन सिस्टम पर काम हो रहा है और कई स्टार्टअप इस पर काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में बिग बैंग बूम सॉल्यूशंस ने सेना को एंटी ड्रोन गन सप्लाई की हैं। स्टार्ट अप के वाइस प्रेजिडेंट गौरव शर्मा ने बताया कि एंटी ड्रोन गन और डिटेक्टर की जोड़ी है। डिटेक्टर 360 डिग्री में चार किलोमीटर के दायर में किसी भी ड्रोन को डिटेक्ट कर सकता है। इस एक टैबलेट से जोड़ा जाता है और अगर इसके दायरे में कोई भी ड्रोन आता है तब इसमें अलार्म बजेगा।

डिटेक्टर के द्वारा ड्रोन की डायरेक्शन का पता चलते ही उस डायरेक्शन में एंटी ड्रोन गन को करना होता है और इसके बटन को दबाना होता है। गन से 45 डिग्री की एक बीम निकलती है जो आगे जाकर एक जाल की तरह ड्रोन को घेर लेती है और ड्रोन ब्लाइंड हो जाता है। ड्रोन के पास कोई सिग्नल नहीं रहता है, वह जाम हो जाता है। इसमें अलग-अलग तरह के ड्रोन को काउंटर करने के लिए अलग अलग तरह की फ्रिक्वेंसी है। यह गन बैटरी से चलती है, इस मोबाइल की तरह ही चार्ज किया जा सकता है।

बारामूला में तीन आतंकी ढेर, सेना ने घेर रखा है पूरा इलाका, मुठभेड़ जारी, दो जवान शहीद

जम्मू। बारामूला में एक बार फिर आतंकी और सेना के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें तीन आतंकी ढेर हुए है और सेना ने पूरा इलाका घेर लिया है। सुरक्षाबलों ने बारामूला में तीन आतंकियों को ढेर कर दिया है। दो जगहों पर हो रहे एनकाउंटर में किश्तवाड़ में दो जवान शहीद हो गए थे। भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स ने एक पर पोस्ट करते हुए कहा, ऑपरेशन चक टपर बारामूला आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा 13-14 सितंबर 24 की मध्य रात्रि को बारामूला के चक टपर क्रेरी क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हुई।ऑपरेशन जारी है। यह मुठभेड़ सेना द्वारा उधमपुर जिले के बसंतगढ़ के ऊपरी इलाकों में जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराने के दो दिन बाद हुई है। जानकारी के मुताबिक, अभी बारामूला के अलावा किश्तवाड़ में आतंकियों से मुठभेड़ जारी है और सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाल रखा है।बारामूला में सुबह-सुबह दोनों तरफ से गोलीबारी फिर से शुरू हो गई। माना जा रहा है कि पुलिस सब डिवीजन पट्टन के चक टपर इलाके में स्थित एक बाग में स्थित इमारत में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के जवान लगातार आतंकियों की तलाश में जुटे हुए हैं और फिलहाल तीन आतंकियों को मार गिराया है। इससे पहले शुक्रवार शाम को किश्तवाड़ में एक गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने छतरू क्षेत्र के नैदघाम इलाके में घेराबंदी करके एक तलाशी अभियान शुरू किया इस दौरान ही मुठभेड़ हुई।जवानों का आतंकवादियों से आमना-सामना हुआ और शाम करीब साढ़े तीन बजे मुठभेड़ शुरू हुई। इस दौरान दो जवान शहीद हो गए थे। शहीद हुए जवानों की पहचान नायब सूबेदार विपन कुमार और सिपाही अरविंद सिंह के रूप में हुई है।

केजरीवाल की रिहाई की खुशी में चले पटाखे, बीजेपी ने आप को घेरा

-दिल्ली में 1 जनवरी तक पटाखों पर लगा है बैन

नई दिल्ली।

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत पर रिहाई की खुशी में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। जबकि दिल्ली की आप सरकार ने शहर में पटाखों को एक जनवरी 2025 तक पूरी तरह बैन कर रखा है।

चार दिन पहले ही सरकार ने पटाखों पर बैन लगाया और जब केजरीवाल रिहा हुए तो पार्टी के लोग ही अपनी सरकार के नियमों को तोड़ते दिखे।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल के जेल से बाहर आते ही सीएम आवास, पार्टी कार्यालय और तिहाड़ जेल के बाहर जमकर पटाखे और आतिशबाजी की जिससे हवा में धुआं घुल गया। दिल्ली सरकार की इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं बीजेपी ने आप कार्यकर्ताओं की इस हरकत की आलोचना करते हुए पटाखों पर बैन को दिखावा बताया है।

पटाखे फोड़ने की इस घटना से साफ पता चलता है कि प्रतिबंध सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए था। बीजेपी ने कहा कि आप सरकार ने त्योहारों के लिए पटाखे पर बैन लगाया है लेकिन खुद शराब घोटाले के आरोपी अरविंद केजरीवाल की रिहाई का जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़ रहे हैं।

दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि मंत्री गोपाल राय ने सिर्फ चार दिन पहले ही दशहरा, काली पूजा और दीपावली में पटाखे फोड़ने पर यह कहते हुए बैन लगाया था कि इससे प्रदूषण फैला है लेकिन सैकड़ों आप कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल के घर, पार्टी कार्यालय और तिहाड़ जेल के बाहर पटाखे फोड़े उससे क्या?

कपूर ने मांग की कि सरकार दिल्ली वालों को बताए कि अगर त्योहारों पर पटाखे नहीं जला सकते है तो आप कार्यकर्ता कैसे पटाखे जला सकते हैं?

राय को सोशल मीडिया पर कई वीडियो देखने चाहिए, उन लोगों की पहचान करनी चाहिए जिन्होंने सीएम के घर पर पटाखे जलाए थे और उनकी गिरफ्तारी होना चाहिए।

हिंदी दिवस पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

-अमित शाह ने कहा- सभी भारतीय भाषाएं हमारा गौरव और विरासत हैं

नई दिल्ली।

14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया था। इसके बाद 1953 में राजभाषा प्रचार समिति ने इस दिन को हिंदी दिवस के रुप में मनाने का फैसला किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हिंदी दिवस के मौके पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने ट्वीट किया-हिंदी दिवस पर सभी देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को हिंदी दिवस के मौके पर लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। देश की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी के 75 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि सभी भारतीय भाषाएं हमारा गौरव और विरासत हैं और उन्हें समृद्ध किए बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। राजभाषा हिंदी का हर भारतीय भाषा के साथ अटूट रिश्ता है। इस साल 2024 में हिंदी ने देश की राजभाषा के रूप में जनसंचार और राष्ट्रीय एकता के 75 साल पूरे किए हैं। मुझे यकीन है कि सभी भारतीय भाषाओं को साथ लेकर राजभाषा हिंदी विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देती रहेगी। बता दें कि शाह शनिवार को भारतीय भाषा अनुच्छेद का भी उद्घाटन करेंगे जिसका उद्देश्य हिंदी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के प्रयोग को बढ़ावा देना और उनके बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हिंदी दिवस के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। नड्डा ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा-हिंदी भावनाओं का सशक्त वाहक है और इसने राष्ट्र की प्रगति में अहम भूमिका निभाई है। हमारी भावनाओं की सशक्त संवाहक हिंदी ने देश के विविध समाज और संस्कृति को एक सूत्र में बांधकर और शास्त्र, साहित्य, संगीत आदि माध्यमों से अपनी अभिव्यक्ति देकर राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक लोगों के बीच संवाद का यह माध्यम हमारी अमूल्य संपत्ति है। आइए, हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी समेत देश की सभी समृद्ध भाषाओं को बढ़ावा देने का संकल्प लें। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी इस मौके पर लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में ईद-ए-मिलादुन्नवी की छुट्टी 16 की जगह 18 सितंबर को

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने लिया फैसला

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने ईद-ए-मिलाद की छुट्टी को 16 से शिफ्ट करके 18 सितंबर को कर दिया है। बयान के मुताबिक मुस्लिम समुदाय ने 16 के बजाय 18 सितंबर को ईद का जुलूस निकालने का फैसला किया है। दरअसल 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी भी है। यह गणेश पूजा का आखिरी दिन है। इसके बाद व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि स्थानीय कलेक्टर अलग-अलग जिलों में ईद की छुट्टी वहां की स्थिति के अनुसार रीशेड्यूल कर सकते हैं। रविवार को महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता नसीम खान ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से कहा था कि 16 के बजाय 18 सितंबर को ईद-ए-मिलाद की छुट्टी कर दी जाए। उन्होंने कहा था, अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को है। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फैसला किया है कि वे ईद-ए-मिलाद का जुलूस 18 सितंबर को निकालने को तैयार है। इसके साथ दोनों ही त्यौहार सौहार्द के साथ मनाए जा सकते है। बता दें कि गणपति के त्यौहार का आखिरी दिन 17 सितंबर को है। वहीं इस बार ईद-ए-मिलाद 16 सितंबर को पड़ रही है। दूसरी बार मुस्लिम समुदाय के लोगों ने खुद से आगे आकर सांप्रदायिक सौहार्द का ध्यान रखते हुए ईद-ए-मिलाद की छुट्टी को शिफ्ट करने का प्रस्ताव रखा है। नवी मुंबई में ईद-ए-मिलाद का जुलूस तुरभे से शुरू होकर वाशी होकर घनसोली दरगाह तक जाता है। मुस्लिम पैगंबर मोहम्मद की जयंती के रूप में ईद-ए-मिलाद मनाते हैं।

छतरपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने गोवंश को कुचला

20 से ज्यादा गायों की मौत, कई घायल

छतरपुर। छतरपुर में ओरछा रोड थाना क्षेत्र के झांसी-खजुराहो फोर लाइन पर केड़ी ब्रिज पर 20 से ज्यादा गायों की मौत का मामला सामने आया है। जहां एक तेज रफ्तार ट्रक गायों को कुचलता टक्कर मारता हुआ निकल गया। बता दें कि इस भीषण सडक़ हादसे में कई गायें घायल हुईं तो कई की मौत हो गई है। पूरी सडक़ पर गायों की लाहन और सडक़ पर खून बिखरा पड़ा है। घटना ओरछा रोड थाना क्षेत्र के फोरलेन ब्रिज के पास की है। जहां आयशर ट्रक का आगे का कुछ हिस्सा ब्रिज पर पड़ा हुआ है, जो कि खजुराहो की ओर निकल गया है।

पुलिस ने ट्रक पकड़ा

फोर लाइन पर गायों को रौंदने वाले ट्रक को ओरछा रोड पुलिस ने पकड़ लिया है। टक्कर में कई गायों की मौत और कुछ गायें घायल हो गई थी। वहीं, पुलिस ने ट्रक चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर मृत गायों को नगर पालिका की टीम से उठवाया। टक्कर मारने वाले वाहन और चालक के खिलाफ ओरछा रोड पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

डिवाइडर को पारकर ट्रक ने बस को मारी टक्कर, 7 की मौत, 33 घायल

बेंगलुरू। बेंगलुरू जा रही बस ट्रक से टकरा गई, जिससे उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई और 33 घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने दुर्घटना पर दुख जताते हुए मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम चंद्रबाबू नायडू ने चित्तूर जिले के बंगारुपलेम में मोगिली घाट पर हुए भीषण सड़क हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक ट्रक डिवाइडर को पार करते हुए बस से टकरा गया। दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई वहीं 33 लोग घायल हुए हैं, जिनको सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फिजियोथेरेपी सेंटर पर पुलिस ने की छापामार कार्रवाई

- टॉयलेट में लगा था खुफिया कैमरा, पेन ड्राइव में मिले वीडियो

सीकर ।सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में एक निजी फिजियोथेरेपी सेंटर के टॉयलेट में खुफिया कैमरे लगे होने का मामला सामने आने के बाद लक्ष्मणगढ़ पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और निजी अस्पताल में जांच पड़ताल की। इस दौरान पुलिस टीम ने एक कैमरा और चार-पांच पेन ड्राइव व अन्य उपकरण जब्त किए। अफसरों का कहना है कि इस मामले की जांच की जा रही है, जानकारी के अनुसार लक्ष्मणगढ़ पुलिस अे धिकारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक निजी हॉस्पिटल में डॉक्टर ने टॉयलेट में कैमरे लगा रखे हैं और वह महिलाओं के वीडियो बना रहा है। इस सूचना के बाद पुलिस ने मामले की पुष्टि की और फिर छापेमारी के लिए टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने अस्पताल में रेड की तो अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान पुलिस टीम ने फिजियोथैरेपिस्ट के केंद्र पर कार्रवाई करते हुए टॉयलेट से कैमरा और बैग से चार-पांच पेन ड्राइव व अन्य उपकरण जब्त किए हैं।

सीएम योगी ने फिर खोला नौकरियों का पिटारा.......युवा हो जाएं तैयार

लखनऊ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार के साथ-साथ लिपिकीय संवर्ग के सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति करने के तत्काल आदेश दिए हैं। इसके अलावा, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक जैसे पदों के लिए जहां पदोन्नति लंबित है, वहां तत्काल प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि राजस्व विभाग सीधे तौर पर लोगों से जुड़ा हुआ है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों से लेकर पैमाइश, नामांकन, घरौनी, खतौनी, सर्वे, पट्टा सहित ढेरों महत्वपूर्ण प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो सके, इसके लिए न केवल विभाग के रिक्त पदों पर नई नियुक्ति की आवश्यकता है, बल्कि आवश्यकतानुसार नवीन पदों का सृजन करे। यही नहीं, उन्होंने राजस्व परिषद के अंतर्गत बन्दोबस्त आयुक्त (ग्रामीण) बन्दोबस्त आयुक्त (नगरीय) तथा निदेशक प्रशिक्षण का नवीन पद सृजित करने की भी जरूरत जाहिर की।

उच्चस्तरीय बैठक में राजस्व विभाग के कामकाज और उपलब्ध मानव संसाधन की समीक्षा कर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग और राजस्व परिषद में काम के बदलते स्वरूप और अधिकता को देखते हुए दक्ष युवाओं की तैनाती होनी चाहिए। नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए तहसील, जिला, मंडल और राजस्व परिषद में आईटी में दक्ष लोगों की तैनाती करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के कार्यों में राजस्व विभाग के कार्मिकों को प्रायः फील्ड विजिट करना पडता है। इसके बाद यह उचित होगा कि लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को वाहन भत्ता दिया जाना चाहिए। इसी तरह नायब तहसीलदार की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी के लिए उन्हें चार पहिया वाहन की उपलब्धता कराई जाए। साथ ही, जीपीएस से संबंधित कार्यों के बेहतर संपादन के लिए लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को नए टैबलेट भी उपलब्ध कराए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आम जन से जुड़े कार्यों को समयबद्धता के साथ मेरिट के आधार पर निस्तारित किया जाए, अनावश्यक कहीं भी कोई प्रकरण लंबित न रहे।

राजस्व कार्मिकों के प्रशिक्षण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने राजा टोडरमल सर्वेक्षण भूलेख प्रशिक्षण संस्थान, हरदोई में आधारभूत अवसंरचना को और बेहतर करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद विभाग स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर अग्रेतर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्य सचिव, अध्यक्ष राजस्व परिषद, प्रमुख सचिव राजस्व सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

उत्तराखंड में भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन, हाईवे अवरुद्ध, कई यात्री फंसे

चमोली।

भारी बारिश के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जिससे लामबगड़, नंदप्रयाग, सोनाला और बैराज कुंज में सड़क अवरुद्ध हो गई। भूस्खलन के कारण सकोट और नंदप्रयाग के बीच वैकल्पिक मार्ग भी अवरुद्ध हो गया है।

चमोली पुलिस ने कहा कि जिले में भारी बारिश के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है, जिसके कारण सड़क अवरुद्ध हो गई।

सुरक्षा की दृष्टि से चमोली पुलिस ने यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक रखा है। इससे पहले पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा था कि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग कमेड़ा (गौचर), नंदप्रयाग (चमोली) और छिनका (चमोली) में अवरुद्ध है। बाद में उन्होंने बताया कि छिनका में अवरुद्ध सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया है। चमोली पुलिस ने यह भी बताया कि जिले में कमेड़ा के पास अवरुद्ध बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को यातायात के लिए खोल दिया गया है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण एसडीआरएफ की टीमों और जिलाधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने की भी सलाह दी थी। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई दक्षिणी जिलों के लिए रेड अलर्ट और अन्य भागों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

उत्तर-पश्चिम यूपी पर बना दबाव 12 घंटों के अंदर कम दबाव वाले क्षेत्र में कमजोर पड़ने की उम्मीद है। बरेली के पास केंद्रित मौसम प्रणाली दक्षिणी उत्तराखंड और यूपी के कुछ हिस्सों में बिखरे बादल और तीव्र संवहन का कारण बनेगी।

उत्तरी उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान और उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश में भी बारिश और तेज़ हवाए चलने का अनुमान है।

ट्रम्प भारतवंशी कमला के साथ और डिबेट नहीं करेंगे, बोले- हार के बाद एक और मौका चाहती हैं

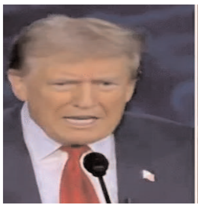

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि वे 5 नवंबर के चुनाव से पहले उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ किसी और डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे। सीएनएन के मुताबिक उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। ट्रम्प ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी मुकाबला हार जाता है तो सबसे पहले यही कहता है कि वह फिर से एक और मुकाबला चाहता है। कमला हैरिस एक और डिबेट चाहती हैं। इसका मतलब यही है कि वे पिछली डिबेट हार चुकी हैं और अब वह जीतने के लिए एक और मौका चाहती हैं। ट्रम्प और कमला के बीच दो दिन पहले पेनसल्वेनिया के फिलाडेफ्लिया में पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई थी। इसे 6 करोड़ 70 लाख से ज्यादा लोगों ने टीवी पर लाइव देखा था। ट्रम्प बोले- तीसरे डिबेट की जरूरत नहीं, कमला ने मांग की थी ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर और डिबेट न करने की घोषणा करने के बाद एरिजोना में हुई चुनावी रैली में यही बात दोहराई। उन्होंने कहा- चुनाव से पहले मैं दो डिबेट्स में हिस्सा ले चुका हूं। दोनों ही सफल रही हैं। इसलिए तीसरी की कोई वजह ही नहीं है। ट्रम्प ने कहा, सर्वे से साफ है कि मैंने डेमोक्रेट की कट्टर वामपंथी कैंडिडेट कमला हैरिस से पिछली डिबेट जीत ली है। उपराष्ट्रपति को अब डिबेट्स पर नहीं बल्कि अपने काम पर फोकस करना चाहिए।

कमला हैरिस ने ट्रंप को मजेदार अंदाज में मारा ताना : अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अपनी दावेदारी पेश कर रहे कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। नवंबर में होने वाले इस चुनाव से पहले दोनों उम्मीदवारों में जुबानी जंग जारी है। इस बीच उनके पहले डिबेट ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने दूसरी बहस के लिए इनकार कर दिया है। इसके बाद कमला हैरिस के चुनावी अभियान ने उन पर निशाना साधा और उनकी तुलना मुर्गे से कर दी। इससे पहले ट्रुथ सोशल पर बात करते हुए ट्रंप ने घोषणा की थी कि मंगलवार की बहस के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ कोई दूसरी बहस नहीं करेंगे। ट्रंप ने दावा किया है कि वे बहस के विजेता थे और उन्होंने बेहद अच्छा प्रदर्शन किया।

ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखा, कोई तीसरी बहस नहीं होगी!! इसके बाद कमला हैरिस के अभियान के चेयरमैन डेविड प्लॉफ ने एक्स पर एक पोस्ट में ट्रंप का मजाक उड़ाया। उन्होंने लिखा, आखिरकार हमें उनके तुलना का जानवर मिल गया, चिकन। इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रंप और चिकन को लेकर मजेदार पोस्ट्स की बाढ़ सी आ गई। उन्होंने आगे लिखा, देखते हैं कि चिकन मैन आज रात अपने भाषण से हैनिबल लेक्टर को हटाते हैं या नहीं। अगर वह ऐसा करते हैं, तो यह दर्शाता है कि मंगलवार रात को उस बिंदु पर वो अपमानित हुए थे। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो यह और अच्छा होगा। दरअसल ट्रंप अपने भाषणों में हैनिबल लेक्टर नाम के एक फिल्मी किरदार का जिक्र करते रहे हैं। उनके मुताबिक यह अमेरिका में बढ़ रहे अपराधिक मामलों को दर्शाता है।

इससे पहले कमला हैरिस ने गुरुवार को एक और डिबेट की मांग की थी। एक चुनावी रैली में कमला ने कहा था कि वोटरों के लिए उन पर एक और डिबेट की जिम्मेदारी है। इससे ज्यादा जरूरी और कुछ नहीं हो सकता।

कई सर्वे ने कमला को विजेता माना 27 जून को ट्रम्प और बाइडेन के बीच पहली डिबेट हुई थी। ट्रम्प और कमला के बीच बुधवार को दूसरी डिबेट हुई थी। दोनों के बीच 90 मिनट बहस चली। ट्रम्प के दावे के उलट कई सर्वे में कमला हैरिस को विजेता माना गया था।

सीएनएन के सर्वे के मुताबिक 63 प्रतिशत दर्शकों ने हैरिस को विजेता माना जबकि 37 प्रतिशत ने माना की जीत ट्रम्प की हुई है। ज्यादातर लोगों ने कहा कि कमला ने सवालों का बेहतर जवाब दिया। रॉयटर्स-इपसॉस पोल के मुताबिक 53 प्रतिशत लोगों ने कमला को वहीं, 24 प्रतिशत लोगों ने ट्रम्प को बेहतर माना।

कमला ने एक दिन में जुटाए सबसे ज्यादा फंड सीएनएन के मुताबिक कमला हैरिस ने डिबेट के बाद बने माहौल का फायदा उठाया और 24 घंटे के अंदर ही 47 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 395 करोड़ रुपए) जुटा लिए हैं। हैरिस के जुलाई में उम्मीदवारी के ऐलान के बाद एक दिन में हासिल हुई सबसे बड़ी फंडिंग है।

ट्रम्प के साथी उम्मीदवार जेडी वेंस ने भी ट्रम्प और कमला के बीच एक और डिबेट से इनकार किया है। वेंस और और डेमोक्रेटिक पार्टी के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार टिम वॉल्ज के बीच 1 अक्टूबर को न्यूयॉर्क में डिबेट होगी।

एलन मस्क ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार को फिर कोसा, बता दिया फासीवादी

वाशिंगटन, एजेंसी। मशहूर उद्योगपति एलन मस्क एक बार फिर से ऑस्ट्रेलियाई सरकार से भिड़ गए हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सरकार को फासीवादी बता दिया है। दरअसल ऑस्ट्रेलिया में ऑनलाइन गलत सूचनाएं रोकने के लिए एक नया कानून प्रस्तावित किया है। इस कानून के तहत गलत सूचनाएं रोकने में विफल रहने पर सोशल मीडिया कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इसी कानून की आलोचना करते हुए मस्क ने ऑस्ट्रेलिया सरकार को फासीवादी बताया है। ऑस्ट्रेलिया सरकार के कानून से नाराज हुए मस्क दरअसल ऑस्ट्रेलिया की लेबर सरकार ने गुरुवार को संसद में एक कानून पेश किया, जिसके तहत गलत सूचना को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों पर उनके वैश्विक राजस्व का 5त्न तक जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इस कानून का उद्देश्य तकनीकी दिग्गज कंपनियों पर लगाम लगाना माना जा रहा है और अब दुनियाभर में इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रस्तावित कानून के मुताबिक तकनीकी प्लेटफॉर्म को झूठ और भ्रामक खबरों को फैलने से रोकने के लिए आचार संहिता निर्धारित करनी होगी और ऑस्ट्रेलियाई सरकार के नियामक द्वारा आचार संहिता को अनुमोदित किया जाएगा। यदि कोई प्लेटफॉर्म ऐसा करने में विफल रहता है तो नियामक अपना मानक निर्धारित करेगा और नियम का पालन ने करने के लिए तकनीकी कंपनियों पर जुर्माना लगाएगा। पहले भी ऑस्ट्रेलिया सरकार से भिड़ चुके हैं मस्क एलन मस्क जो अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर मुखर हैं, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑस्ट्रेलिया सरकार की एक शब्द में आलोचना की और उन्हें फासीवादी बताया। एलन मस्क इससे पहले अप्रैल में भी ऑस्ट्रेलिया सरकार की आलोचना कर चुके हैं। दरअसल सिडनी में एक बिशप पर चाकू से हमले की घटना घटी थी।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप, इस साल अब तक 546 लोगों की मौत

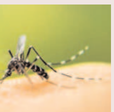

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में डेंगू खतरनाक रूप लेता जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि बरसात के मौसम में डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस बीमारी की वजह से होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ रही है। इस साल जनवरी से 6 सितंबर तक डेंगू के 2,08,965 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि से 68 प्रतिशत अधिक है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इस अवधि में 546 मौतें दर्ज की गईं। फिलीपींस के स्वास्थ्य सचिव टेओडोरो हर्बोसा ने कहा, हम डेंगू के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी देख रहे हैं। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य विभाग जरूरी कदम उठाना जारी रखेगा। स्वास्थ्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि बरसात के मौसम की वजह से पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए सभी को तत्काल और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डेंगू के प्रसार से निपटने के लिए सामूहिक कोशिश अहमियत रखती है। डेंगू फिलीपींस में स्थानिक रोग है। बदलती परिस्थितियों, बाढ़ और दूषित पानी के जमाव के कारण जुलाई से अक्टूबर तक बरसात के मौसम में डेंगू सहित जल जनित संक्रामक रोग आमतौर पर चरम पर होते हैं। डेंगू मच्छर रुके हुए पानी, खुले बर्तनों, घर के आसपास के डिब्बों और कुछ पौधों, जैसे केले में पनपते हैं।

पेरू में जेल के सुरक्षाकर्मियों पर हमला, एक की मौत

लीमा, एजेंसी। पेरू में जेल के बाहर मौजूद सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया गया। इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। नेशनल पेनिटेंटरी इंस्टीट्यूट के अनुसार, दक्षिणी पेरू के इका क्षेत्र स्थित एक जेल के बाहर बाइक सवार संदिग्धों ने सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया था। इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है और एक अन्य घायल हो गया है। एजेंसी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमारा संस्थान मृतक के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है और इस घटना में घायल हुए पीड़ित सुरक्षाकर्मी को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। चिनचा शहर की जेल के बाहर हुए हमले में मारे गए मृतक की पहचान फैनी फ्लोर हर्नांडेज कोर्रिया के रूप में हुई है, जिसकी अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस में मौत हो गई। वहीं, घायल का नाम मैनुअल रिकार्डो सर्वेंट्स क्रूज है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। शिन्हुआ ने सरकारी समाचार एजेंसी एंडिना की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि यह हमला बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 7-30 बजे हुआ। घटना के वक्त दोनों सुरक्षाकर्मी जेल की एंट्री गेट पर पहुंचने के लिए कार से आ रहे थे। तभी बाइक सवार दो संदिग्धों ने सुरक्षाकर्मियों पर घात लगाकर हमला कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में मारे गए फैनी फ्लोर हर्नांडेज कोर्रिया को पहले भी जेल के अंदर मौत की धमकियां मिली थीं। फिलहाल इस हमले की जांच की जा रही है।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के संदिग्ध की थाने में गोली मारकर हत्या

पेशावर, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बृहस्पतिवार को एक थाने में पुलिसकर्मी ने ईशनिंदा के आरोपी की गोली मारकर हत्या कर दी। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। मारे गए व्यक्ति की पहचान सैयद खान के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने व्यक्ति को उग्र भीड़ से बचाया था और उसे अपने साथ ले गई थी। उसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। लोगों का दावा था कि व्यक्ति ने पैगंबर मोहम्मद का अपमान किया है। पुलिस अधिकारी मोहम्मद खुर्रम के अनुसार, गोलीबारी में शामिल अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। खुर्रम ने विस्तृत जानकारी नहीं दी। पाकिस्तान में पुलिस हिरासत में संदिग्धों की मौत के मामले आम तौर पर सामने नहीं आते हैं जबकि महज अफवाहों के आधार पर ईशनिंदा के आरोप वहां आम बात है और अक्सर इसकी वजह से दंगे भड़क उठते हैं। ऐसे मामलों में संदिग्ध भीड़ के हाथों मौत के शिकार भी हो जाते हैं। खान के मामले में स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि उसने पैगंबर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद भीड़ ने उसे घेर लिया। गिरफ्तारी के बाद भीड़ थाने के बाहर एकत्र हो गई और पुलिस से उसे उनके हवाले करने की मांग करने लगी।

पहले पगड़ीधारी सिख सांसद धेसी बने ब्रिटिश रक्षा समिति के अध्यक्ष

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेनके पहले पगड़ीधारी सिख सांसद तनमनजीत सिंह धेसी (को नयी संसद की रक्षा समिति का अध्यक्ष चुना गया है। धेसी को मतदान के बाद बुधवार को चुना गया। स्लो क्षेत्र से लेबर सांसद को 563 वैध वोटों में से 320 वोट मिले। उनके प्रतिद्वंद्वी लेबर सांसद डेरेक ट्विग को 243 वोट मिले। धेसी ने कहा, ''मुझे रक्षा समिति का अध्यक्ष चुने जाने पर खुशी है। मैं सदन के अपने सहयोगियों को मुझ पर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, ''देश और विदेश में हम जिन खतरों का सामना कर रहे हैं वे पैमाने और जटिलता, दोनों ही लिहाज से बढ़ रहे हैं। रक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में मैं यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा कि हमारा देश इन चुनौतियों का सामना कर सके।

पाकिस्तानी युवक भारतीय की हत्या का दोषी करार, ब्रिटेन में सुपारी लेकर चढ़ा दी थी कार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक पाकिस्तानी शख्स को भारतीय की हत्या करने का दोषी पाया गया है। भारतीय शख्स का नाम विग्नेश पट्टाभिरामन था और वह तमिलनाडु का मूल निवासी था। विग्नेश लंदन में एक रेस्टोरेंट मैनेजर की नौकरी करता था। वैलेंटाइन डे के दिन उसकी हत्या कर दी गई थी। रीडिंग क्राउन कोर्ट की ज्यूरी ने 25 वर्षीय शाजेब खालिद को विग्नेश की हत्या का दोषी पाया है। इसके मुताबिक खालिद ने इस काम के लिए 2000 पाउंड लिए थे और विग्नेश के ऊपर अपनी कार चढ़ा दी। विग्नेश की रॉयल बर्कशायर अस्पताल में 15 फरवरी की सुबह मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मरने की वजह सिर में चोट बताई गई। विग्नेश पट्टाभिरामन मूल रूप से कोयंबटूर के मदुरामलाई के पास आईओबी कॉलोनी का रहने वाला था। दिसंबर 2022 में वह अपनी पत्नी राम्य के साथ लंदन चला गया। यहां पर उसने वेल के एक दक्षिण भारतीय रेस्टोरेंट में नौकरी की। यहां से नौकरी छोड़ने के बाद विग्नेश चर्चिल स्थित हयात रीजेंसी लंदन में नौकरी करने वाला था। लेकिन तभी उसके साथ यह हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक विग्नेश को मारने की सुपारी एक अन्य भारतीय ने दी थी। मोहम्मद साकिब इस्माइल नाम का यह शख्स वेल के रेस्टोरेंट में ऑपरेशन मैनेजर है।

यूक्रेन बदलेगा रणनीति, चला सकता है स्टॉर्म शैडो मिसाइल; रूस परमाणु से देगा जवाब?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन और रूस का युद्ध और तेज होने के आसार हैं। एक ओर जहां यूक्रेन अब रूस के अंदर घुसकर मिसाइल हमले करने की योजना बना रहा है। वहीं, रूस ने भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर संकेत दे दिए हैं। खबरें हैं कि यूक्रेन स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल के जरिए अपनी नीति बदल सकता है। संभावित बदलाव ऐसे समय पर होने जा रहे हैं, जब रूस की तरफ से यूक्रेन पर जमकर मिसाइल अटैक किए जा रहे हैं। वहीं, यूक्रेन भी ड्रोन अटैक के जरिए जवाब दे रहा है। खास बात है कि यूक्रेन ने अब तक अपने ही क्षेत्र में रूसी सेना को रोकने के लिए मिसाइल का उपयोग किया है। अब कहा जा रहा है कि यूक्रेन लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस पर हमला कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में नाटोसदस्य ब्रिटेन ने रूसी क्षेत्रों पर हमले के लिए यूक्रेन के स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल के इस्तेमाल पर मुहर लगा दी है। अब तक रूसी क्षेत्रों में हमला करने में एडवांस हथियारों के इस्तेमाल पर पाबंदी थी, लेकिन कथित तौर पर ब्रिटेन की तरफ से मंजूरी मिलने के बाद स्थिति बदल सकती है। यूक्रेन पर पहले ही स्टॉर्म शैडो मिसाइल है, लेकिन वह रूसी सेना के इस्तेमाल के लिए अपने ही क्षेत्र में इसका इस्तेमाल करता है।

कितनी घातक है स्टॉर्म शैडो मिसाइल : स्टॉर्म शैडो लॉन्ग रेंज एयर लॉन्च्ड क्रूज मिसाइल है। इसे ब्रिटेन और फ्रांस ने मिलकर तैयार किया है, जिसकी रेंज 500 किमी है। इसे पहले ही यूक्रेन के लड़ाकू जहाज में जोड़ दिया गया है। स्टॉर्म शैडो को मात्रा और ब्रिटिश एयरोस्पेस ने साल 1994 में तैयार किया था. अब इसे एमबीडीए सिस्टम्स बनाते हैं। खास बात है कि स्टॉर्म शैडो इसे ब्रिटेन में कहा जाता है। यूक्रेन को कैसे मिली मिसाइल अब तक यह साफ नहीं है कि यूक्रेन को ऐसी लंबी दूरी वाली क्रूज मिसाइल निर्यात करने की मंजूरी कैसे मिली। दरअसल, मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम (एमटीसीआर) 300 किमी से ज्यादा रेंज और 500 किलोग्राम से ज्यादा पेलोड क्षमता वाली मिसाइल एक्सपोर्ट करने पर रोक लगाता है। एमटीसीआर का संस्थापक सदस्य ब्रिटेन भी है। हालांकि, एमटीसीआर सदस्य देशों के बीच एक अनौपचारिक राजनीतिक व्यवस्था है। रूस कर सकता है बड़ी कार्रवाई आशंका जताई जा रही है कि अगर रूसी क्षेत्र में हमला करने के लिए यूक्रेन को ऐसी अनुमति मिल गई, तो रूस की तरफ से बड़ी प्रतिक्रिया देखी जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई जा रही है कि ऐसी स्थिति में रूस परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर गंभीरता से विचार कर सकता है।

परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा उत्तर कोरिया, पहली बार सार्वजनिक किया यूरेनियम संवर्धन केंद्र

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसी के तहत उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने यूरेनियम संवर्धन के सेंट्रीफ्यूज की संख्या बढ़ाने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया के मीडिया के अनुसार, किम जोंग उन ने परमाणु हथियार संस्थान और हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री के उत्पादन आधार केंद्र के दौरे के दौरान यह आदेश दिया। हालांकि इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि यह परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्र कहां पर स्थित है और किम जोंग उन ने कब ये दौरा किया। पहली बार उत्तर कोरिया ने अपने यूरेनियम संवर्धन केंद्र को सार्वजनिक किया कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के अनुसार, किम ने यूरेनियम संवर्धन आधार केंद्र के नियंत्रण कक्ष का दौरा किया और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि आधार केंद्र गतिशील रूप से परमाणु सामग्री का उत्पादन कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पहली बार अपने यूरेनियम संवर्धन केंद्र को सार्वजनिक रूप से पेश किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, किम ने आत्मरक्षा के लिए परमाणु हथियारों को तेजी से बढ़ाने के लिए सेंट्रीफ्यूज की संख्या को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। अमेरिकी खुफिया एजेंसी को शक इन जगहों पर हो सकते हैं यूरेनियम संवर्धन केंद्र यूरेनियम संवर्धन केंद्र का इस्तेमाल यूरेनियम को सेंट्रीफ्यूज में रखकर और उसे उच्च गति से घुमाकर अधिक समृद्ध यूरेनियम के उत्पादन के लिए किया जाता है। परमाणु हथियारों के निर्माण के लिए अत्यधिक और समृद्ध यूरेनियम जरूरी होता है। अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का मानना है कि उत्तर कोरिया प्योंगयांग के कांगसन परमाणु परिसर और योंगब्योन परमाणु स्थल पर यूरेनियम संवर्धन केंद्र संचालित कर रहा है। इसकी वजह ये भी है क्योंकि उत्तर कोरिया ने साल 2010 में प्रसिद्ध अमेरिकी परमाणु वैज्ञानिक सिगफ्राइड हेकर को योंगब्योन परमाणु स्थल आमंत्रित किया था। यूरेनियम संवर्धन सुविधा के अचानक सार्वजनिक करने के पीछे नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को माना जा रहा है। दरअसल इसे उत्तर कोरिया द्वारा अपनी परमाणु क्षमताओं का प्रदर्शन करने के तौर पर देखा जा रहा है।

मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट को पति ने गला घोंटकर मारा था

बर्न, एजेंसी। मिस स्विजट्जरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविच की हत्या उनके पति थॉमस ने की थी। थॉमस ने क्रिस्टीना की डेड बॉडी के कई टुकड़े कर दिए थे। इनमें से कई टुकड़ों को उसने ब्लेंडर में पीसा। इसे छिपाने के लिए उसने घोल में एसिड मिला दिया था। इस बात का खुलासा स्विट्जरलैंड पुलिस के जांच अधिकारियों ने किया है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, 38 वर्षीय मॉडल क्रिस्टीना की इसी साल 13 फरवरी को हत्या कर दी गई थी। क्रिस्टीना का शव बिनिंगन शहर में स्थित उनके घर के लॉन्ड्री रूम में मिला था। हत्या के एक दिन बाद (14 फरवरी 2024) ही पुलिस ने क्रिस्टीना के पति थॉमस (41) को गिरफ्तार कर लिया था। मार्च में थॉमस ने अपना गुनाह कबूल कर लिया था। थॉमस ने फेडरल कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी, जिसे कोर्ट ने 11 सितंबर को खारिज कर दिया। थॉमस बोला- खुद को बचाने के लिए हत्या की आरोपी थॉमस ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि मैंने आत्मरक्षा में क्रिस्टीना की हत्या की। क्रिस्टीना ने पहले मुझ पर चाकू से हमला किया था। इसके बाद मैंने अपने बचाव में क्रिस्टीना की हत्या कर दी। स्काई न्यूज के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट में थॉमस पर किसी हमले का निशान नहीं मिला। क्रिस्टीना की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि पहले उसका गला घोंटा गया। थॉमस ने अपने कबूलनामे में इस बात को स्वीकार किया है। इसके बाद उसने लॉन्ड्री रूम में आरी, चाकू और पौधों की छंटनी में काम आने वाली कैंची की मदद से क्रिस्टीना की बॉडी के टुकड़े कर दिए। क्रिस्टीना ने 2005 में मिस नॉर्थवेस्ट स्विट्जरलैंड का खिताब जीता बिनिंगन में पैदा हुई क्रिस्टीना ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2003 में मिस नॉर्थवेस्ट स्विट्जरलैंड का खिताब जीता था। साल 2008 में वे मिस स्विट्जरलैंड की फाइनलिस्ट बनीं। इसके बाद क्रिस्टीना ने कैटवॉक कोच के तौर पर करियर बनाया। क्रिस्टीना ने 2013 में मिस यूनिवर्स पेजेंट के लिए डोमिनिक रिंडर्कनेच को ट्रेनिंग दी थी।

पुतिन ने जमकर की भारत की तारीफ, पीएम मोदी को फिर बताया अच्छा मित्र

सेंट पीटर्सबर्ग, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते वैश्विक कद और मजबूत होती अर्थव्यवस्था की सराहना की। पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ अपनी बैठक के दौरान भारत की जमकर तारीफ की। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी गति पकड़ रही है, मजबूत हो रही है, जिसे लेकर हम खुश हैं। हम खुश हैं कि भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हो रहा है और उसकी अर्थव्यवस्था विकसित हो रही है। यह सफलता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मिली है। इस वर्ष जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी के मॉस्को दौरे को याद करते हुए पुतिन ने कहा कि वह ऐतिहासिक यात्रा बहुत सफल रही, इसके बाद जो काम हुआ वह बहुत सार्थक ढंग से और ठीक उसी गति से आगे बढ़ रहा है जिस पर प्रधानमंत्री मोदी और उन्होंने सहमति जताई थी। एनएसए डोभाल ब्रिक्स सदस्य देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के लिए सेंट पीटर्सबर्ग गए हैं। समूह का वर्तमान अध्यक्ष रूस 22-24 अक्टूबर तक वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। मॉस्को ने कज़ान में लगभग 36 विदेशी नेताओं को आमंत्रित किया है। पुतिन ने कहा, सुरक्षा मुद्दे हमेशा से हमारी प्राथमिकताओं में रहे हैं और रहेंगे। सेंट पीटर्सबर्ग आने के लिए हम आपके आभारी हैं। पिछले साल, यह बैठक मास्को में हुई थी। भारतीय पक्ष की ओर से इस वार्ता का समर्थन करने के लिए हम आभारी हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, हम कज़ान में पीएम मोदी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मैं 22 अक्टूबर को कज़ान में एक द्विपक्षीय बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव देता हूं। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की मास्को यात्रा के समय हुए समझौतों को लागू करने के लिए हमारे द्वारा किए गए संयुक्त कार्यों का सार पेश किया जाएगा और निकट भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया जाएगा। पुतिन ने कहा, कृपया मेरे अच्छे मित्र पीएम मोदी को मेरी शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित करें। रूसी राष्ट्रपति ने जुलाई में भी प्रधानमंत्री मोदी को अपना अच्छा मित्र बताया था और उन्हें रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल द फर्स्ट-कॉल्ड से सम्मानित किया था। एनएसए डोभाल ने अपने संबोधन में व्यक्तिगत रूप से मुलाकात का दुर्लभ अवसर प्रदान करने के लिए रूसी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया।

बुढ़ापे का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनाने की सराहनीय पहल

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस-नहस एवं असंतुलित कर देती है।

(लेखक- ललित गर्ग/)

केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान भारत' योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य कदम है। अपने देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार के छह करोड़ बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। इस योजना से हम एक ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सकेंगे। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी जनकल्याणकारी सरकार को साधुवाद दिया जाना चाहिए। पारिवारिक एवं सामाजिक घोर उपेक्षा एवं उदासीनता के कारण बुढ़ापा अपने आप में एक रोग ही बनता गया है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की नयी पहल का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हुआ तो यह फैसला इस आयुवर्ग के बुजुर्गों की सेहत को लेकर सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही थी क्योंकि आने वाले बीस वर्ष में भारत की बुजुर्ग आबादी तीन गुना होने की संभावना है।

नये भारत-विकसित भारत की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण एवं उचित स्वास्थ्य-सेवाओं को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर तो काला दाग है ही, शासन-व्यवस्थाओं के लिये भी लज्जाजनक है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने एवं उनके स्वास्थ्य विषयक खर्चो एवं चिन्ताओं को दूर करने के लिये केन्द्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया है, वह सराहनीय एवं प्रासंगिक निर्णय है। इस फैसले की जरूरत इसलिए थी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा के मामले में भारत बहुत पीछे है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस-नहस एवं असंतुलित कर देती है। सरकार का मौजूदा कदम कई परिवारों को ऐसे आर्थिक दुष्चक्र में फंसने से बचा सकता है। भारत में इलाज दिनों-दिन महंगा होता जा रहा है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग सोचते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उसने वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू किया है। इन योजनाओं को लागू करने की जरूरत इसलिये सामने आयी है कि वृद्धों को आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा, बंधन माना जाने लगा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अब जब स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाया गया है तो यह उम्मीद की जानी चाहिए कि खर्च को लेकर परिजनों का डर कम होगा। इस योजना का पूरा खाका सामने आना बाकी है। लेकिन यह सुनिश्चित तो करना ही होगा कि बीमा सुरक्षा कवच होने के बावजूद बुजुर्ग मुफ्त उपचार से वंचित न रह जाएं। खास तौर से सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को लेकर निजी अस्पतालों के रवैये को देखते हुए यह चिंता ज्यादा जरूरी हो जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत में औसत आयु 67.3 साल है। पिछले दो दशकों में ही औसत आयु में पांच बरस से अधिक का इजाफा हो चुका है। निश्चित ही यह अच्छी खबर है, लेकिन इसके साथ यह चिंता भी जुड़ी हुई है कि देश में दिल से जुड़े रोगों और डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अन्य रोग भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अनुमान लगाया गया है कि भारत में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र की जो आबादी वर्ष 2011 में 8.6 प्रतिशत थी, वह बढ़कर 2050 तक 19.5 फीसदी हो जाएगी। यह भी अनुमान है कि 2030 तक भारत में स्वास्थ्य देखभाल का 45 प्रतिशत खर्च बुजुर्ग मरीजों पर होगा। ऐसे में बुजुर्गों के सामने अनेक अन्य समस्याओं के साथ नई एवं असाध्य बीमारियां और उनका महंगा इलाज बड़ी समस्या है। ऐसी स्थितियों में अब इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। बहुत संभव है कि इस समय जब कुछ राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है तो इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन भाजपा ने 2024 में लोकसभा चुनाव के लिये जारी घोषणापत्र में किये वायदे को ही आकार दिया है।

वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे। लेकिन उन्हें इस योजना के लिये आवेदन करना होगा। सरकार ने फिलहाल इस योजना के लिये करीब साढ़े तीन हजार करोड़ का बजट रखा है और आवश्यकता पड़ने पर बजट बढ़ाने की बात कही है। सरकार ने बजट में स्वास्थ्य के लिए कोटा बढ़ाया है। हालांकि चीन और अमेरिका की तुलना में यह अब भी कम है। मेडिकल सुविधाएं एवं साधन बढ़ाने के साथ यह इंतजाम भी करना होगा कि आम जनता उसका फायदा उठा सके। सरकार का हालिया फैसला इसी दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि योजना को सही ढंग से लागू किया जाए। मुफ्त उपचार से भी बड़ी जरूरत सत्तर साल की उम्र पार वरिष्ठ नागरिकों की नियमित सेहत जांच की है। अस्पतालों की भीड़ में जांच कराना इनके लिए मुश्किल भरा हो सकता है। ऐसे में बुजुर्गों के घर तक मोबाइल स्वास्थ्य जांच सेवा भी इस योजना में लागू हो तो सोने पर सुहागा हो सकता है। सरकार को भविष्य में वृद्धों के लिये अलग से अस्पताल संचालित करने के बारे में भी सोचना चाहिए।

संपादकीय

केजरीवाल को जमानत

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत की चर्चा स्वाभाविक है और उसके निहितार्थ समझने की कोशिश भी खूब होगी। जमानत की उम्मीद इस महीने की शुरुआत में ही बनने लगी थी और अंततः शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री को उत्पाद शुल्क नीति मामले में जमानत देकर आम आदमी पार्टी को भी बड़ी राहत दी है। इस जमानत का महत्व इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि जमानत पाने वाले नेता मुख्यमंत्री हैं और अक्सर दिल्लीवासियों को इस वजह से आलोचना का सामना करना पड़ता था। किसी मुख्यमंत्री के जेल में इतने लंबे समय तक रहने से हर किसी को चिंता होने लगी थी। जमानत के लिए अरविंद केजरीवाल ने जितने प्रयास किए हैं, यह भी अपने आप में मिसाल है। वैसे, लोकसभा चुनाव के समय उन्हें जमानत मिली थी और इसका लाभ आम आदमी पार्टी को बहुत नहीं, पर इंडिया ब्लॉक को जरूर हुआ। चुनाव प्रचार के बाद केजरीवाल की ओर से यह पुरजोर कोशिश हुई थी कि उनकी जमानत अवधि बढ़ जाए, पर ऐसा हो न सका था। मिलते-जुलते मामलों में ही संजय सिंह और मनीष सिसोदिया को जमानत मिल चुकी है और अरविंद केजरीवाल की रिहाई पर ही बात अटकी थी। शीर्ष अदालत ने केजरीवाल और सीबीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को सुनने के बाद 5 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई के वकील अभी भी जमानत को रोकना चाहते थे, पर न्यायालय ने राहत के पक्ष में फैसला सुनाया। हालांकि, यह जमानत सीबीआई के लिए अच्छा संकेत नहीं है। ईडी ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, जब ईडी का शिकंजा ढीला पड़ा, तो उन्हें सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार कर लिया। वास्तव में, इन सुरक्षा एजेंसियों को जितनी तैयारी के साथ कोई कार्रवाई करनी चाहिए, वैसा नहीं हो पा रहा है। अब यह संदेश तो लोगों के बीच जरूर जाएगा कि आरोपों में शायद इतना दम नहीं था, इसलिए सभी नामी आरोपी एक-एक कर छूट गए। प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी के साथ ही, अब सीबीआई को भी नए सिरे से सुबूतों के साथ मामले को खड़ा करना होगा। जरूरी नहीं कि आरोपी निर्दोष हों, पर दोष साबित करना जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी है, आरोप लगा देना ही पर्याप्त नहीं। आबकारी विभाग या उत्पाद शुल्क से जुड़े इस मामले में आरोप है कि 100 करोड़ रुपये की रिश्वत का आदान-प्रदान हुआ। यह भी आरोप लगा कि इस पैसे का बड़ा हिस्सा आम आदमी पार्टी ने गोवा चुनाव में खर्च किया। ये आरोप बने रहेंगे। जमानत के बावजूद मुख्यमंत्री की चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। केजरीवाल का बेदाग निकलना इस अलग मिजाज की वैकल्पिक पार्टी के लिए जरूरी है। बहरहाल, चर्चा इस बात की है कि केजरीवाल की रिहाई का हरियाणा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा? संदेह नहीं कि वह स्टार प्रचारक हैं। अगर वह अपनी भूमिका वाले इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने में कामयाब रहे, तो सीटों पर तालमेल के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। दूसरी बात, यह एक सबक है कि हरेक मंत्री और मुख्यमंत्री को अपना दामन साफ रखने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जरूर ध्यान देना चाहिए। देश की राजनीति का जो मिजाज बन गया है, उसमें अब किसी भी राजनेता की कमी बहुत ज्यादा समय तक छिपी नहीं रह सकती।

देश में बढती रैगिगं की घटनाएं क्यों नहीं रूकती?

माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून लागू किया है मगर देश में रैगिग के बढते मामलों से यह कानून मजाक बनता जा रहा है। ताज़ा घटनाक्रम में हिमाचल के वाकनाघाट में एक निजी विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के एक छात्र से रैगिंग का मामला प्रकाश में आया है रैगिंग के आरोपी तीन छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है व हॉस्टल व यूनिवर्सिटी से निकाल दिया हैद्यइससे पहले आईआईटी मंडी मे रैगिंग की घटना सामने आई थीद्य आईआईटी प्रबंधन ने आरोपी 10 छात्रों क़ो छः महीने विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया था तथा 72छात्रों पर 15 से 25हजार रूपये तक का जुर्माना लगाया गया था

(लेखक- नरेन्द्र भारती)

देश में बढती रैगिंग की घटनाएं क्यों नहीं रूकती यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है. हिमाचल का बहुचर्चित अमन काच. रैगिगं कांड के बाद भी विश्ववि.ालयों व कालेजों में रैगिगं का संक्रमण बढता जा रहा हैं ।माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून लागू किया है मगर देश में रैगिग के बढते मामलों से यह कानून मजाक बनता जा रहा है। ताज़ा घटनाक्रम में हिमाचल के वाकनाघाट में एक निजी विश्ववि.ालय में प्रथम वर्ष के एक छात्र से रैगिंग का मामला प्रकाश में आया है रैगिंग के आरोपी तीन छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है व हॉस्टल व यूनिवर्सिटी से निकाल दिया है.इससे पहले आईआईटी मंडी मे रैगिंग की घटना सामने आई थी. आईआईटी प्रबंधन ने आरोपी 10 छात्रों क़ो छः महीने विश्ववि.ालय से निष्कासित कर दिया था तथा 72छात्रों पर 15 से 25हजार रूपये तक का जुर्माना लगाया गया था. यह मामला बीते 11 अगस्त 2023 को घटित हुआ था. आईआईटी मंडी मे घटित यह बहुत ही संगीन मामला है इस मामले पर प्रशासन को कड़ा संज्ञान लेना चाहिए. देश में रैगिंग के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं. रैगिंग के कारण प्रताड़ित छात्र आत्महत्या तक कर रहे हैं पिछले दिनों एम्स बिलासपुर मे भी एक मामला हो चूका है वहाँ भी एक छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की थी मगर बच गई थी. यूजीसी के आकड़ों के मुताबिक 2020 में देश में रैगिंग के 219 मामले सामने आये थे. 2021 में रैगिंग के 511मामले हुए थे. 2019 में उत्तर प्रदेश के इटावा में सैफई मैडिकल विश्ववि.ालय में रैगिंग का मामला घटित हुआ था. जहां सीनियर छात्रों ने 150 छात्रों के सिर मुंडवा दिए थे.यह एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्र थे. ताकि अपराधियों को सजा मिल सके ।रैगिग के मामलों में वृद्धि खतरनाक साबित हो रही है। वर्ष 2018 में ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के भोपाल में घटित हुआ था जहां रैगिंग से तंग आकर बीफार्मा की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी ,छात्रा के सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने चार लड़कियों व एक अध्यापिका को गिरफतार कर लिया था। रैगिग का यह कोई मामला पहीं हे इस से पहले कई जघन्य वारदातें हो चुकी है। इतनी वारदातें होने के बाद भी इन घटनाओं पर रोक नहीं लग रही है। रैगिग छात्रों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। रैगिग की इन वारदातों से छात्र खौफजदा होते जा रहे हैं ।अगर यही हाल रहा तों छात्रों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा सकतें है क्योकि इन बारदातों से अभिभावक भी अपने बच्चों को असुरक्षित समझ रहे है। रैगिग का साधरण सा अर्थ एक दूसरे का परिचय जानना होता था मगर अब इसका स्व. प बदलता जा रहा है। रैगिगं अब यातना बन गई है छात्रों को मानसिक . प से प्रताडित किया जाता है ,मारपीट की जाती है ।आज तक पता नहीं कितने छात्र-छात्राएं रैगिग के कारण असमय मौत के मुह में जा चुंके है ।उतरप्रदेश के इटावा में घटित इस घटना ने एक नई बहस को जन्म दिया था. देश के शिक्षण संस्थानों में प्रतिबन्ध के बाद भी यह मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। बीते हादसों से न तो प्रशासन ने सबक सीखा और न ही छात्रों ने सीख ली। यदि कडे कदम उठाए होते तो आज यह हादसा न होता। यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है ।रैगिग की यह बीमारी विश्ववि.ालयों ,कालेजों के बाद अब स्कूलों में भी अपने पांव पसार चुकी है यदि इस पर समय रहतें रोक न लगाई तो आने वाले समय में घातक परिणाम भुगतने पडेगें। दें श में समय समय पर ऐसे दुखद हादसे होते रहते है मगर यह . कनें के बजाए निर्बाध . प से बढतें ही जा रहे हैं। समाचार पत्रों की खबरों के अनुसार मई में मुम्बई के ठाणें में रैगिग से तंग आकर एक छात्र ने ट्रेन के आगे कटकर आत्महत्या कर ली.दिल्ली के स्कूल आफ प्लानिगं एंड आर्किटैक्चर का एक होनहार छात्र रैगिगं के चलतें अपाहिज हो गया आरोप है कि प्रथम वर्ष के छात्र नवीन कुजुर को उसके सीनियर ने ऐसी यातनाएं दी कि वह चलने फिरने के काबिल नहीं रहा। आन्ध्रप्रदेश में एक कालेज में सीनियर छात्राओं ने जूनियर छात्रा की रैगिग ली उनकी यातना से उस छात्रा ने अपनी आवाज खो दी थी ।एक अन्य घटना में छात्र को क्लास में लडकी कहा जाता था छात्रों की इस हरकत से तंग आकर उस छात्र ने खुद को आग लगा दी थी। मुम्बई में एक कालेज में सीनियर छात्राओं ने एक जूनियर छात्रा को मिर्ची खिलाई और उठक बैठक करवाई.कोलकाता में एक कालेज में सीनियर जूनियर को ड्रग्स लेने के लिए मजबूर करते है और पिटाई करते हैं उतर प्रदेश में सरकार ने रैगिग के खिलाफ अभियान छेडा है तथा रैगिग करने वाले छात्रों को पांच साल तक दाखिला न देने को कडा फैसला लिया है ।साल 2010 में एक साल में 164 केसों में 19 की मौत हो गई थी। देश में 2023 में भी यह मामले थमते नहीं आ रहे है। एक समय था कि कालेजो में रैगिग का नाम तक नहीं था मगर पिछले कुछ सालों से रैगिग के आकडों में अप्रत्याशित बढोतरी होती जा रही है। कालेज के कुछ बिगडैल किस्म के छात्र - छात्राएं कालेज का माहौल बिगाडनें में मशगुल रहते है, ऐसे मुठठी भर लोग छात्रों को अनावश्यक . प से तंग कर रहे है ऐसे उदडं लोगों को कानून के मुताबिक सजा देनी चाहिए। आज यह रैगिगं भयानक होती जा रही है। बीते सालों में हिमाचल के सुन्दरनगर के पौलिटैक्निक कालेज में भी रैगिगं की वारदात प्रकाश में आई थी जिसमें सिरमौर का एक छात्र रैगिग का शिकार हुआ था हालांकि कालेज प्रशासन ने उन सीनियर लडकों को कालेज से निकाल दिया है पर कालेज से निकालना इसका समाधान नहीं है। केन्द सरकार व विश्ववि.ालय अनुदान आयेग को इन मामलों पर संज्ञान लेना चाहिए क्योकि यदि समय रहते कारगर कदम नहीं उठाए तो हालात बेकाबू हो जाएगें छात्र -छात्राएं रैगिग के डर से प्रवेश नही लेगें ।कालेजों में अराजकता पैदा करने वाले तत्वों पर कार्रवाई करनी चाहिए ।इनके कारण कई प्रतिभाएं खत्म हो रही है।

ऐसे लोगों को सजा दी जाए तथा जुर्माना लगाया जाए। ऐसी भी रैगिग की छात्र पढाई तक छोड देते हैं.आज तक हजारों छात्र इस बीमारी का शिकार हो चुके है ।फिर भी यह प्रवृति . कने का नाम नहीं ले रही हैं। जनमानस को एकजुट होकर इसका खात्मा करना होगा ताकि छात्र-छात्राएं निर्भिक होकर अपनी पढाई कर सके। रैगिंग के बढ़ते जाल को काटना होगा ताकि भविष्य में इन घटनाओं की पुनरावृति न हो और शिक्षण संस्थानों में माहौल खराब न हो सके ।इस बुराई के वि. द्व एक आन्दोलन करना होगा और प्रतिभावान छात्रों को बचाना होगा ।रैगिग का समूल नाश करना चाहिए ताकि यह नासूर न बन पाए। सरकारों को इन मामलों पर संज्ञान लेना होगा तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। यह देश हित में है.

विचार मंथन

सीबीआई अब पिंजरे का तोता बना

(लेखक- सनत जैन)

भारत की शीर्ष जांच एजेंसी, सीबीआई पर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। सीबीआई की जांच में निष्पक्षता और उसके तौर-तरीके को लेकर शुरुआती दौर पर सीबीआई के ऊपर सभी को बहुत भरोसा था। पिछले 2 दशकों में यह भरोसा पूरी तरह से टूटता हुआ दिख रहा है। सीबीआई की निष्पक्षता पर कई बार सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में आलोचना की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सीबीआई को 'पिंजरे का तोता' कहा था। 2014 से केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने एक बार फिर सीबीआई जैसी महत्वपूर्ण संस्था के ऊपर पिंजरे में बंद तोते के रूप में टिप्पणी की है। यह टिप्पणी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ऊपर जिस तरह से सीबीआई ने पिछले दो वर्षों से अपना शिकंजा कसकर रखा हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जैसे ही ईडी के मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत हुई। उसी मामले में 2 साल के बाद सीबीआई ने जेल के अंदर से केजरीवाल की गिरफ्तारी कर ली। सुप्रीम कोर्ट को इस कारण से सीबीआई के ऊपर सबसे सख्त टिप्पणी करनी पड़ी। 2013 में कोयला घोटाले की जांच में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। अब केजरीवाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वही टिप्पणी की है। सीबीआई अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करती है। सीबीआई की कार्य प्रणाली से यह खुलासा, जांच एजेंसी की स्टेटस रिपोर्ट को, सरकार की मंजूरी के बाद किया गया। यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसने सीबीआई की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सीबीआई का गठन एक स्वतंत्र जांच एजेंसी के रूप में हुआ था। जिसका उद्देश्य अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी जांच कर कार्रवाई करना था। जैसे-जैसे समय बीतता गया, सीबीआई के अधिकारियों के ऊपर राजनीतिक प्रभाव बढ़ता गया। केंद्र में किसी भी दल की सरकार हो। सीबीआई का उपयोग सरकारें राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने अथवा बचाने के लिए किया जाने लगा। पिछले दो दशकों में पूरी तरह से यह स्पष्ट हो गया है। प्रश्न उठता है, क्या सीबीआई अपनी वैधानिक भूमिका बनाए रखने में स्वतंत्र हैं? या सरकार के इशारे पर काम करने वाली राजनीतिक उपकरण का हिस्सा बन चुकी है? सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सीबीआई की स्वतंत्रता पर सरकार का शिकंजा है। सरकार के विपक्षियों का उत्पीड़न करने की सीबीआई जांच एजेंसी की भूमिका सामने आई है। लोकतंत्र की शासन व्यवस्था में, जांच एजेंसियों का निष्पक्ष होना, आवश्यक है। सभी जांच एजेंसियां कानून और न्याय के लिए रीड़ के हड्डी की तरह होती हैं। अगर जांच एजेंसियां राजनीतिक दवाब में काम करेंगी, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली पर विश्वास करना संभव नहीं होगा। सीबीआई के अधिकारी कहते हैं, वह निष्पक्षता के साथ काम करने की कोशिश करते हैं। कई मामलों में सरकार की स्वीकृति के बिना कार्रवाई करना संभव नहीं होता है। शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति, पोस्टिंग और कार्यकाल केंद्र सरकार ही तय करती है। ऐसी स्थिति में सरकार को इग्नोर करना सीबीआई के वश की बात नहीं है। कुछ इसी तरह की स्थिति चुनाव आयोग की देखने को मिल रही है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की भी लगभग यही स्थिति है। संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और जवाबदेही तय करने के लिए वर्तमान व्यवस्था को बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं और जांच एजेंसियों को सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग आयुक्त और सदस्यों की नियुक्ति पर एक फैसला दिया था। जिसमें सीजेआई, प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की कमेटी को चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति करने का अधिकार दिया था। जिसे सरकार ने कानून बनाकर पलट दिया। अब प्रधानमंत्री उनके द्वारा एक नियुक्त मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट चुप है। वर्तमान चुनाव आयोग को लेकर 68 फ़ीसदी जनता में यदि अविश्वास है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे चिंता का विषय है। समय की मांग है, सीबीआई सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं अधिकार संपन्न बनाया जाए। सरकारों के ऊपर उनकी निर्भरता नहीं हो। इसके लिए जरूरी है, संवैधानिक संस्थाओं से राजनीतिक नियंत्रण पूरी तरह से समाप्त किया जाए। संवैधानिक संस्थाओं को न्यायपालिका तथा संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। भारतीय संविधान में न्यायपालिका और संसद ही सर्वोच्च संस्थाएं हैं। संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज उनके निर्णय, संवैधानिक प्रमुख की नियुक्ति इत्यादि को लेकर जिस तरह के सवाल सरकार पर उठ रहे हैं। न्यायपालिका की जिम्मेदारी है कि वह न्यायपालिका और संसद की सर्वोच्चता जो फिलहाल खत्म होती जा रही है, इसे फिर से बहाल करे। भाजपा के नेता और प्रवक्ता भविष्य में सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता नहीं कह पाएंगे। क्योंकि अब यह टैग केंद्र की मोदी सरकार के ऊपर भी चिपक गया है।

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैंकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।

उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।

उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।

उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-

ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना.। ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-'अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है।

सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

टीसीएस के 30,000 कर्मचारियों को आयकर विभाग से मिला नोटिस

नई दिल्ली । देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के लगभग 30,000 कर्मचारियों को आयकर विभाग ने नो टिस जारी किया है, जिसमें 50 हजार से 1.45 लाख रुपए तक की टैक्स मांगा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस ने अपने कर्मचारियों से फिलहाल टैक्स भुगतान न करने के लिए कहा है। कंपनी का कहना है कि जब तक आयकर विभाग से स्पष्ट जानकारी नहीं मिल जाती, तब तक कर्मचारियों को टैक्स डिमांड की राशि जमा नहीं करनी चाहिए। टीसीएस के एचआर विभाग द्वारा भेजे गए इंटरनल ईमेल के अनुसार ये नोटिस वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में की गई टीडीएस कटौती से संबंधित हैं। कंपनी ने कहा है कि वह पहले इस विवाद की पूरी जानकारी प्राप्त कर इसका समाधान करेगी।

त्योहारी सीजन में बढ़ेंगे तेलों के भाव

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन के दौरान अगले कुछ दिनों में लोगों को खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने विभिन्न खाने के तेलों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है, जिसका असर कीमतों पर दिख सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने क्रूड और रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल समेत कुछ अन्य खाने के तेलों पर कस्टम ड्यूटी को बढ़ाने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के एक नोटिफिकेशन के हवाले से बताया गया है- क्रूड व रिफाइंड पॉम ऑयल, सोयाबीन तेल और सनफ्लावर सीड ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) बढ़ा दी गई है। ये बदलाव 14 सितंबर से लागू हो गए हैं। क्रूड पॉम ऑयल, क्रूड सोयाबीन तेल और क्रूड सनफ्लावर सीड ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी अब 20फीसदी है, जो पहले शून्य थी। वहीं रिफाइंड सनफ्लावर सीड ऑयल, रिफाइंड पॉम ऑयल और रिफाइंड सोयाबीन तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी अब 32.5 फीसदी है, जो पहले 12.5 फीसदी थी। वहीं कस्टम ड्यूटी की वृद्धि के बाद प्रभावी शुल्क दर क्रूड तेलों के लिए 5.5 फीसदी से बढ़कर 27.5 फीसदी हो गई है और रिफाइंड तेलों के लिए 13.75 फीसदी से बढ़कर 35.75 फीसदी हो गई है।

जुलाई में ईएसआईसी से 22.53 लाख नए कर्मचारी जुड़े

नई दिल्ली । इस साल जुलाई में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने 22.53 लाख नए ग्राहक जोड़े जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 13.32 प्रतिशत अधिक हैं। श्रम मंत्रालय की तरफ से जारी पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई 2023 में 19.88 लाख नए ग्राहक ईएसआईसी से जुड़े थे। ईएसआईसी के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई में 22.53 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में 56,476 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि आलोच्य महीने में जुड़े कुल 22.53 लाख कर्मचारियों में से 10.84 लाख कर्मचारी 25 वर्ष तक के आयु वर्ग के थे। यह संख्या कुल पंजीकरण का लगभग 48 प्रतिशत है। पेरोल आंकड़े का विश्लेषण दर्शाता है कि जुलाई में महिला सदस्यों का शुद्ध पंजीकरण 4.65 लाख था जबकि 71 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया।

बंदरगाहों पर पाबंदियों के बगैर पीली मटर आयात की अनुमति

नई दिल्ली । सरकार ने कहा कि न्यूनतम आयात मूल्य और बंदरगाहों पर पाबंदियों के बगैर पीली मटर के आयात की अनुमति दे दी गई है। हालांकि, पीली मटर की सभी खेपों के लिए आयात को तत्काल प्रभाव से ऑनलाइन आयात निगरानी प्रणाली के तहत पंजीकृत कराना होगा। यह उन मामलों में लागू होगा जहां ढुलाई के लिए माल की पूरी जानकारी से संबंधित लदान बिल 31 दिसंबर, 2024 को या उससे पहले जारी किया गया हो। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि पीली मटर का आयात न्यूनतम आयात मूल्य (एमआई) शर्त के बिना और बंदरगाह पाबंदियों के बगैर किया जा सकता है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक लाइफ ने जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के उपायों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की साझेदारी -

मुंबई/इन्दौर।

भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और भारत के अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में एक, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के ग्राहकों की जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के समाधानों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की गई है। यह सहयोग एक संशोधित व्यावसायिक प्रस्ताव पर आधारित है, जो पूर्व में फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक (अब एयू एसएफबी के साथ विलय) के साथ कोटक लाइफ के संबंधों को जारी रखता है। साझेदारी के बाद तत्काल प्रभाव से, एयू एसएफबी के नए और मौजूदा ग्राहक, जिनमें पहले के फिनकेयर एसएफबी ब्रांच के ग्राहक भी शामिल हैं, अब टर्म, रिटायरमेंट, सेविंग्स और चुनिंदा निवेश योजनाओं सहित कोटक लाइफ के लाइफ इंश्योरेंस प्रोडक्ट (जीवन बीमा उत्पाद) की व्यापक रेंज का लाभ उठा सकते हैं। इस साझेदारी से कोटक लाइफ के डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो का लाभ उठाकर दक्षिण भारत में एयू एसएफबी की पेशकश (ऑफरिंग) में बड़ी ग्रोथ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, एयू एसएफबी के साथ मिलकरकोटक लाइफ बिना रुकावट सेवा के विकल्प सुनिश्चित करने, सुचारू रूप से ट्रांजिशन (परिवर्तन) की सुविधा प्रदान करने और ग्राहकों के लिए बिजनेस की निरंतरता बनाए रखने के लिए सहयोग करेगा।

जैसा कि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ अपने यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस का प्रयास कर रहा है, अब यह अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों के उत्पादों की डाइवर्सिफाइड रेंज के साथ एक करोड़ से अधिक के अपने बड़े कस्टमर बेस को सेवा देने के लिए प्रयासरत है। यह रणनीतिक साझेदारी एयू एसएफबी को हर ग्राहक की खास जरूरतों और वित्तीय आवश्यकताओं का आंकलन करने और उसका समाधान करने में सक्षम बनाती है। साथ ही यह हर ग्राहक की व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुरूप व्यक्तिगत समाधान प्रदान करने में भी सक्षम है।

बुच ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने अपने खिलाफ लगे हितों के टकराव के सभी आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने दोहराया कि उन्होंने बाजार नियामक द्वारा निर्धारित सभी नियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया है। सेबी प्रमुख और उनके पति धवल बुच ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में दिए गए एक बयान में कहा कि पिछले कई दिनों से उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है। बयान में कहा गया है` कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि धवल बुच और भारत में अगोरा एडवाइजरी और सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स नामक फर्मों के परामर्श कार्यों के बारे में सवाल उठाए गए हैं। ऐसा लगता है कि जब किसी वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के जीवनसाथी को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो इसे पेशेवर योग्यता से परे कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। ऐसी धारणाएँ योग्यता और विशेषज्ञता की ताकत को नजरअंदाज करती हैं और ऐसे निष्कर्ष पर पहुँचती हैं जो सबसे दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

सोने के भाव 49 दिन में 7.21 फीसदी बढ़े, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली।

सोने की कीमत शुक्रवार को 73,044 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें एक दिन में 1,243 रुपए की बढ़ोतरी देखी गई। यह 10 मई के बाद से सोने की सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त है और 53 दिनों में पहली बार 73 हजार का स्तर पार किया गया है। सोने की कीमतों में यह तेजी 23 जुलाई को सरकार द्वारा सोने पर आयात शुल्क 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी करने के बाद आई गिरावट के ठीक विपरीत है, जब कीमतें 68,131 रुपए प्रति 10 ग्राम तक गिर गई थीं। तब से अब तक 49 दिन में सोने के दाम 7.21 फीसदी बढ़ गए हैं। चांदी की कीमतों में भी शुक्रवार को 2,912 रुपए प्रति किलो की वृद्धि देखी गई, जिससे यह 86,100 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई। इस बढ़ोतरी के पीछे इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी में चांदी की बढ़ती मांग एक बड़ा कारण है। सैमसंग द्वारा विकसित नई ईवी बैटरी, जो 9 मिनट में चार्ज हो जाती है, में सिल्वर का इस्तेमाल किया जाता है। अगर इस तकनीक का अधिक उपयोग हुआ, तो चांदी की मांग में भारी इजाफा होगा। अनुमान के मुताबिक अगर 20 फीसदी ईवी में यह बैटरी उपयोग होती है, तो सालाना 16,000 टन चांदी की जरूरत होगी, जो कुल वैश्विक उत्पादन का 60 फीसदी है। एक अमेरिकी निवेश फर्म के अनुसार सोने की कीमतों में इस साल 20 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार में सोना 2,584 डॉलर प्रति आउंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। 2025 की शुरुआत तक कीमतें 15 फीसदी बढ़कर 2,700 डॉलर प्रति आउंस पहुंच सकते हैं। यह बढ़ोतरी अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती और वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की स्टॉकिंग के कारण हो सकती है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बावजूद कमजोरी दर्ज की गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार` गिरावट के साथ खुले और शुक्रवार को मुनाफावसूली की वजह से कमजोरी के साथ ही बंद हुए। बीते पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को बीएसई का तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 26.25 अंक गिरकर 81,157.68 अंक पर खुला और 375 अंक बढ़कर 81,559 पर बंद हुआ। जबे कि निफ्टी-50 में भी गिरावट देखी गई और यह 18.60 अंक की गिरावट के साथ 24,833.55 अंक पर खुला और 84 अंक बढ़कर 24,936 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 74 अंकों की गिरावट के साथ 81,485.75 के स्तर पर खुला और 361.75 अंकों की बढ़त के साथ 81,921.29 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 63 अंकों की बढ़त के साथ 24,999 पर खुला और 7.10 अंकों की गिरावट के साथ 25,034.00 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक टूट गया। सेंसेक्स 110.06 अंक टूटकर 81,800.72 के स्तर पर खुला और 398.13 अंकों की गिरावट के साथ 81,523.16 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 7.10 अंकों की गिरावट के साथ 25,034.00 पर खुला और 122.65 अंक टूटकर 24,918.45 पर बंद हुआ। घरेलू बाजार में वैश्विक निवेश बढ़ने से घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को झूम उठा।

आखिरी सत्र में बाजार में मजबूत बढ़ दिखी। सेंसेक्स 1,236.04 अंक उछलकर 82,772.87 पर खुला और 1,440 अंक बढ़कर 82,962 पर बंद हुआ। निफ्टी 369.50 अंक चढ़कर 25,287.95 पर खुला और 470 अंक की बढ़त आई और यह 25,388.9 पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 इंडेक्स ने शुक्रवार को अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के पास से गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत की।

यह गिरावट थोड़ी ज्यादा महंगाई दर और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स के उच्च आंकड़े की वजह से हुई। बीएसई सेंसेक्स 79.61 अंक की गिरावट के साथ 82,883.10 पर खुला और 72 अंक गिरकर 82,890 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 31.55 अंक की गिरावट के साथ 25,357.35 के स्तर पर खुला और 32 अंक गिरकर 25,356 पर बंद हुआ।

सरकार ने प्याज निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाया, बढ़ सकते हैं भाव?

प्रतिबंध हटने से निर्यात प्रोत्साहन और किसानों की आमदनी में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश से निर्यात को प्रोत्साहन और किसानों की आय में बढ़ोतरी के उददेश्य से प्याज और बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) पर लगी सीमाओं को हटा दिया। प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन तय किया गया था लेकिन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर इसे तत्काल प्रभाव से हटा दिया। इसी तरह वाणिज्य विभाग ने बासमती चावल के निर्यात के लिए पंजीकरण-सह-आवंटन प्रमाण पत्र (आरसीएसी) जारी करने के लिए 950 डॉलर टन के मौजूदा न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) को हटाने का निर्णय लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस कदम से निर्यात प्रोत्साहन और किसानों की आमदनी में मदद मिलेगी। एपीडा (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) से इस निर्णय को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। इस दौरान एपीडा बासमती निर्यात के लिए किसी भी अवास्तविक मूल्य पर होने वाले निर्यात अनुबंध पर करीब से नजर रखेगा।

सरकार ने पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में बासमती चावल के निर्यात के लिए न्यूनतम कीमत को 1,200 डॉलर प्रति टन से घटाकर 950 डॉलर प्रति टन कर दिया था। अधिक कीमतों के कारण निर्यात प्रभावित होने की चिंताओं के चलते ऐसा किया गया था। सरकार ने 27 अगस्त, 2023 को प्रीमियम बासमती चावल की आड़ में सफेद गैर-बासमती चावल के अवैध निर्यात पर लगाम लगाने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से कम कीमत पर बासमती चावल के निर्यात की अनुमति नहीं देने का फैसला किया था। भारत का बासमती चावल का कुल निर्यात 2022-23 में कीमत के लिहाज से 4.8 अरब डॉलर रहा, जबकि मात्रा के लिहाज से यह 45.6 लाख टन था। इस दौरान विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने प्याज निर्यात की न्यूनतम मूल्य सीमा हटाने वाली अधिसूचना में कहा` कि प्याज के निर्यात पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्त तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक हटा दी गई है। इस प्रमुख` किचन के खाद्य सामग्री की उच्च खुदरा कीमतों के बावजूद प्याज पर एमईपी को हटाने का निर्णय लिया गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को प्याज का अखिल भारतीय औसत मूल्य 50.83 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि मॉडल मूल्य 50 रुपये प्रति किलोग्राम है। प्याज का अधिकतम मूल्य 83 रुपये प्रति किलोग्राम है और न्यूनतम मूल्य 28 रुपये प्रति किलोग्राम है।

सजावटी मत्स्य पालन के लिए मोबाइल ऐप पेश किया गया

नई दिल्ली ।

आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए) ने मछली पालकों और एक्वेरियम दुकान मालिकों को सजावटी मत्स्य पालन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए एक मोबाइल ऐप रंगीन मछली विकसित किया है। हाल ही में जारी किए गए एक सरकारी बयान के अनुसार केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए), भुवनेश्वर में रंगीन मछली मोबाइल ऐप पेश किया। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के समर्थन से आईसीएआर-सीआईएफए द्वारा विकसित, ऐप को सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, जो इसमें रूचि रखने वालों, एक्वेरियम दुकान मालिकों और मछली पालकों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। यह ऐप आठ भारतीय भाषाओं में लोकप्रिय सजावटी मछली प्रजातियों के बारे में बहुभाषी जानकारी प्रदान करता है।

जीएसटी आंकडों के जरिए जल्द किया जाएगा जीडीपी का आकलन!

- तरीके और तकनीक पर निर्णय विशेषज्ञ समिति लेगी

नई दिल्ली ।

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना में सुधार के लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राष्ट्रीय लेखा के आधार वर्ष में बदलाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए स्रोत के रूप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के आंकड़े इस्तेमाल कर सकता है। यह जानकारी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। अब तक जीएसटी नेटवर्क गोपनीयता का हवाला देकर मंत्रालय के साथ यह डेटा साझा करने का इच्छुक नहीं था। अधिकारी ने कहा` कि राष्ट्रीय लेखा के लिए आधार वर्ष बदलने के बाद नए डेटा स्रोत भी शामिल किए जाएंगे और मासिक जीएसटी डेटा भी उनमें से एक है। हम डेटा का उपयोग करने के पहले उसे गोपनीय बनाएंगे। हम फिलहाल नए डेटा स्रोत नहीं शामिल कर सकते क्योंकि इससे तुलना में दिक्कत आएगी। इसके तरीके और तकनीक का निर्णय विशेषज्ञ समिति करेगी। जून 2024 में मंत्रालय ने राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी यानी एसीएनएएस को लेकर 26 सदस्यीय विशेषज्ञ सलाहकार समिति का गठन किया था। इसकी अध्यक्षता अर्थशास्त्री विश्वनाथ गोलदार को सौंपी गई और इसे फरवरी 2026 तक आधार संशोधन का काम पूरा करने को कहा गया है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर कहते हैं कि जीएसटी डेटा, कंपनियों की बैलेंस शीट के डेटा का स्थान ले सकता है। फिलहाल कंपनी मामलों के मंत्रालय से हासिल इस डेटा का उपयोग जीडीपी के आकलन के स्रोत के रूप में किया जाता है। उन्होंने कहा कि कंपनी मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों का जीडीपी में उपयोग किए जाने में कुछ दिक्कतें हैं। जीएसटी के जरिये लेनदेन के वॉल्यूम और आउटपुट डेटा के मूल्य का बेहतर अनुमान लगाया जा सकता है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में शेनिवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर देश में ईंधन की कीमतें तय की जाती हैं। पेट्रोल-डीजल पर राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर से वैट और अन्य टैक्स लगाती हैं जिस वजह से इनकी कीमत भी देश भर में अलग-अलग होती हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.95 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर है।

आईफोन 16 सीरीज़ के साथ ऐयरपॉड्स 4 भी पेश

नई दिल्ली ।

अपने ग्लोटाइम इवेंट में ऐपल ने आईफोन 16 सीरीज़ के साथ ऐयरपॉड्स 4 भी प्रस्तुत किया है। ऐपल ने इसमें दो मॉडल की पेशकश की है, जिसमें एयरपॉडस 4 और एयरपॉडस 4 एक्टिव नॉइज़ कैंसिलेशन शामिल हैं। पहली बार ऐपल एयरपॉडस 4 सिरी के साथ सिरी और एक्टिव वॉयस कैंसिलेशन फीचर दिया गया है। कंपनी का दावा है कि नए एयरपॉडस 4 मॉडल सबसे एडवांस और आरामदायक हेडफोन हैं जिन्हें एप्पल ने ओपन-ईयर डिज़ाइन के साथ पेश किया है। एक्टिव नॉइज़ कैंसिलेशन वाले एप्पल एयरपॉडस4 की कीमत 17,900 रुपये है। और एप्पल एयरपॉडस 4 की कीमत 12,900 रुपये रखी गई है। इन ईयरबड की बिक्री भारत में 20 सितंबर से शुरू हो जाएगी। आइए जानते हैं इसके सभी फीचर्स के बारे में। एयरपॉडस 4 एक अडिशनल मॉडल के साथ एएनसी को ओपन-ईयर डिज़ाइन के साथ आता है। इसमें एडवांस माइक्रोफ़ोन, एच2 चिप की पावर और एडवांस कम्प्यूटेशनल ऑडियो दिया जाता है। एयरपॉडस 4 का एएनसी फीचर हवाई जहाज के इंजन, शहर के शोर और बाकी जैसे पर्यावरणीय शोर को कम करने में मदद करते हैं। ऐपल के लेटेस्ट टीडब्ल्यूएस इयरफोन भी मशीन लर्निंग के साथ आते हैं, जो यूज़र्स को कॉल लेने के लिए सिर हिलाने जैसे इशारों को समझते हैं।

इसके अलावा एयरपॉडस 4 अब वायरलेस चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है। ऐपल एयरपॉड्स 4 एएनसी में ट्रांसपेरेन्सी मोड जैसे इंटेलिजेंट फीचर्स भी दिए जाते हैं, जो यूज़र्स को आसपास की चीज़ों से अलर्ट रखते हैं। इसमें एडैप्टिव ऑडियो फीचर भी है जो यूज़र्स के किसी से आसपास बात करने के दौरान मीडिया वॉल्यूम को कम कर देता है। इसमें फ्लैगशिप एयरपॉड्स प्रो (दूसरी पीढ़ी) की तरह वॉयस आइसोलेशन और फोर्स सेंसर भी दिया जाता है। कंपनी ने इसमें एक नया यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग केस पेश किया है जो कुल 30 घंटे का प्लेटाइम देता है।

आईफोन 15 और 14 मॉडल की कीमतों में कटौती

नई दिल्ली ।

हाल ही में एप्पल ने नई आईफोन16 सीरीज़ लॉन्च की। इस सीरीज में आईफोन 16, आईफोन 16 प्लस, और आईफोन 16 प्रो शामिल हैं। एप्पल ने पुराने आईफोन 15 और आईफोन14 मॉडल की कीमतों में भी कटौती की है, जिससे वे और अधिक किफायती हो गए हैं।

आईफोन 15 की पहले 128 जीबी वैरिएंट की कीमत 79,900 रुपए थी, जिसे घटाकर अब 69,900 रुपए कर दिया गया है। आईफोन14 की पहले कीमत 69,900 रुपए थी, लेकिन अब यह 59,900 रुपए में उपलब्ध है। ये नई कीमतें एप्पल की आधिकारिक वेबसाइट पर लागू हैं और इनमें कोई भी अतिरिक्त बैंक ऑफर या थर्ड-पार्टी रिटेलर्स के प्रमोशन शामिल नहीं हैं। यदि आप प्रीमियम फीचर्स वाले आईफोन चाहते हैं लेकिन नए मॉडल की पूरी कीमत चुकाने में दिलचस्पी नहीं रखते, तो ये डिस्काउंट आपके लिए बेहतरीन विकल्प हैं। आईफोन15 में 6.1 इंच का डिस्प्ले है और यह पांच रंगों में उपलब्ध है, गुलाबी, पीला, हरा, नीला, और काला। यह नया मॉडल आईफोन14 की तरह ही दिखता है, लेकिन इसमें एक बड़ा बदलाव किया गया है- पारंपरिक नॉच को डायनेमिक आइलैंड नॉच से बदल दिया गया है, जो पहले आईफोन 14 प्रो मॉडल में देखा गया था। आईफोन 15 में 48-मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा है जो बेहतर लो-लाइट फोटोग्राफी और शानदार पोर्ट्रेट शॉट्स का वादा करता है। एप्पल का कहना है कि इसकी बैटरी पूरे दिन चलेगी।

इसके अलावा, आईफोन 15 में आईफोन ने यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट दिया है, जो अब तक इस्तेमाल किए जा रहे लाइटनिंग पोर्ट की जगह लेता है। अगर आप आईफोन 15 खरीदने की सोच रहे हैं, तो यह सही समय है, खासकर फलीपकार्ट की सेल में जबरदस्त छूट के साथ।नई जानकारी के अनुसार, यह बैटरी 1000 चार्जिंग चक्रों तक चल सकती है, जबकि पहले के मॉडल केवल 500 चक्रों तक चलते थे। आईफोन 15 में एप्पल की ए16 बायोनिक चिप लगी है, जो आईफोन 14 और आईफोन 14 प्लस में इस्तेमाल की गई ए15 चिपसेट से बेहतर है। यह वही चिप है जो पिछले साल के आईफोन 14 प्रो मॉडल में थी।

भारत की लगातार पांचवीं जीत, पाकिस्तान को 2-1 से चटाई धूल

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए दो गोल की बदौलत गत चैंपियन भारत ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत की यह छह टीमों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है। पाकिस्तान ने अहमद नदीम (8वें मिनट) के गोल से बढ़त हासिल की लेकिन हरमनप्रीत सिंह (13वें और 19वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को जीत दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पहली हार थी।

भारत ने कायम रखा अपना दबदबा

भारत और पाकिस्तान दोनों ने इससे पहले अंतिम चार के लिए क्वालीफाई कर लिया था। इस जीत की बदौलत भारत ने 2016 से पाकिस्तान पर अपना दबदबा कायम रखा है। दोनों टीमों के बीच पिछली भिडंत हांग्झोउ एशियाई खेलों में हुई थी जिसमें भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। इससे कुछ महीने पहले भारतीयों ने एसीटी के चेन्नई चरण में पाकिस्तान को 4-0 से हराया था। जकार्ता में एशिया कप में भारत की युवा टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि ढाका में 2021 एसीटी में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी मैच की तरह पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने जीत हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

भारतीयों ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए दबदबा बनाया, लेकिन जैसे जैसे मैच आगे बढ़ा पाकिस्तान का आत्मविश्वास बढ़ता गया। पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद ने मिडफील्ड में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारतीय डिफेंस में खलबली मच गई और नदीम ने गेंद भारतीय गोल में पहुंचाकर अपनी टीम को आगे कर दिया। इस गोल से स्तब्ध भारत ने संयम बनाए रखा और हमले जारी रखे। टीम ने 13वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और कप्तान हरमनप्रीत ने पाकिस्तानी गोलकीपर मुन्नेब के बाईं ओर एक ताकतवर ड्रैग फ्लिक से गोल किया। भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में दबाव बनाना जारी रखा और 19वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

हरमनप्रीत के सटीक शॉट से भारत 2-1 से आगे हुआ

एक बार फिर पाकिस्तानी रक्षण के पास कोई जवाब नहीं था और हरमनप्रीत के सटीक शॉट से भारत 2-1 से आगे हो गया। दूसरे क्वार्टर में भारत गेंद को कब्जे में रखने में सफल रहा। पाकिस्तान ने कई मौकों पर प्रतिद्वंद्वी सर्कल में सेंध लगाने के मौके बनाये। दूसरे हाफ से मात्र 45 सेकंड पहले पाकिस्तान के पास बराबरी का मौका था लेकिन यह विफल रहा। भारतीयों ने छोर बदलने के बाद भी दबदबा बनाए रखा और 37वें मिनट में अपना तीसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन गोल नहीं कर सके। पाकिस्तान ने इसके बाद लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति को नहीं भेद सके। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए। भारत ने तीन और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन गोल करने में विफल रहा।

मैच में तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली

मैच में हरमनप्रीत और पाकिस्तान के अशरफ वहीद राणा के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। ऐसा राणा के भारतीय सर्कल के अंदर जुगराज सिंह को कंधा मारने के बाद हुआ। जुगराज इस धक्के से गिर गए थे और दर्द से कराह रहे थे। मैदानी अंपायर और पाकिस्तान के कप्तान बट और दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दौड़े। राणा को पीला कार्ड दिखाया गया। इस बीच दिन के पहले मैच में मलेशिया और कोरिया के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ रहा। राउंड रॉबिन प्रारूप से शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को होगा।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित टीम की घोषणा की

मुम्बई (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने 15 सितंबर से 9अक्टूबर तक होने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए शनिवार को 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। यह शिविर बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के परिसर में लगेगा। यह शिविर 11 से 20 नवंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर स्टेडियम में खेली जाने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की तैयारी की शुरुआत होगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''आगामी राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारियों में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' उन्होंने कहा, ''यह शिविर हमें उन क्षेत्रों पर काम करने का मौका देगा जिनमें सुधार की आवश्यकता है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार राजगीर में आयोजित की जा रही है। यह हमारी टीम के लिए घरेलू सरजमीं पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अच्छा मौका है।''

उन्होंने कहा, ''हम अपने कौशल, फिटनेस, 'टीम वर्क' को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'' भारतीय महिला टीम ने पिछली बार एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 सत्र में हिस्सा लिया था जिसमें उसने अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन जैसी टीमों का सामना किया था। कप्तान सलीमा टेटे और उप कप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में तथा हरेंद्र के मार्गदर्शन में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था।

भारतीय व्यवस्था अपने आप संचालित होती है, इसे सुरक्षित रखना लक्ष्य: मोर्ने मोर्कल

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के नए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मानना है कि भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था अपने आप संचालित होती है और उनका लक्ष्य छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना होगा। मोर्कल काफी समय से भारत में रह रहे हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लखनऊ सुपर जॉइंट्स के सहयोगी स्टाफ में भी शामिल थे। इसलिए वह भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था से अच्छी तरह वाकिफ हैं और जानते हैं कि उन्हें इसमें किस तरह से काम करना है। मोर्कल ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''यहां एक ऐसी व्यवस्था है जो अपने आप संचालित होती है। इसलिए इसे सुरक्षित रखना और छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना ही लक्ष्य होगा।''

दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज को यह भी लगता है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह हमेशा अपने-अपने विभाग में मोर्चा संभालेंगे और उनका काम उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह देना होगा। जल्द ही 40 वर्ष के होने वाले मोर्कल ने कहा, ''हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास उच्च स्तर के खिलाड़ी हैं जो हमेशा अपने क्षेत्र में मोर्चा संभालेंगे। हमारी जिम्मेदारी उनका समर्थन करना और उन्हें सर्वोत्तम सलाह देना है जो हम दे सकते हैं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 544 विकेट लेने वाले मोर्कल भारतीय खिलाड़ियों का पेशेवर रवैया देख कर भी हैरान हैं।

उन्होंने कहा, ''यह अच्छा संकेत है और उम्मीद है कि हम इसे आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।'' मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहलेलगाए गए अभ्यास शिविर में टीम से जुड़े और वह खिलाड़ियों के साथ भरोसा बनाने के साथ इस पर भी गौर कर रहे हैं कि वह उनकी कैसे मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना महत्वपूर्ण है। मैं इनमें से कई खिलाड़ियों के साथ खेला हूं और आईपीएल के कारण मेरे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। खिलाड़ियों के साथ दोस्ती और अच्छे संबंध बनाना बेहद महत्वपूर्ण होता है।''

विराट कोहली संन्यास लेने वाले आखिरी प्लेयर होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के नेतृत्व में क्रिकेट जगत की कई ऐतिहासिक जीत हासिल की हैं। इसी साल भारत ने टी20 विश्व कप जीता जिसमें रोहित और विराट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विश्व कप खत्म होने के साथ ही दोनों स्टार्स ने टी20 विश्व कप से संन्यास की घोषणा कर दी। अब सवाल यह है कि क्या विराट और रोहित 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए खुद को उपलब्ध करवा पाएंगे या नहीं। इस सवाल का पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला ने जवाब देने की कोशिश की है।

भारत के पूर्व खिलाड़ी पीयूष चावला को भरोसा है कि विराट और रोहित अगले वनडे विश्व कप में खेलेंगे। उन्होंने कहा कि वे अच्छी फॉर्म में हैं और विश्व कप भी ज्यादा दूर नहीं है। मैं चाहता हूं कि वे एक साथ खेलें और जीतें। उनके सामने गेंदबाज हमेशा बैकफुट पर रहते हैं। रोहित पारी की शुरुआत में गेंद को हिट करते हैं, जबकि कोहली जानते हैं कि खेल को कैसे चलाना है।

चावला ने आगे कहा कि विराट मौजूदा टीम से संन्यास लेने वाले आखिरी खिलाड़ी होंगे। उन्होंने कहा कि विराट कोहली निश्चित रूप से सबसे अंत में संन्यास लेंगे। रोहित शर्मा के पास दो-तीन साल बचे हैं. अगर वह वनडे खेलते हैं तो यह टीम के लिए बहुत अच्छा होगा। मुझे लगता है कि उसका लक्ष्य एकदिवसीय विश्व कप है क्योंकि वह उस ट्रॉफी को उठाना चाहता है। बता दें कि दोनों दिग्गज के आगे अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप है। रोहित और कोहली इन 2 आईसीसी आयोजनों में ट्रॉफी उठाना चाहेंगे।

2023 वनडे विश्व कप में टीम इंडिया का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम फाइनल में पहुंची जहां उन्हें ऑस्ट्रेलिया से हार झेलनी पड़ी। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम चैंपियन की तरह खेली थी। रोहित के लिए विश्व कप कप फाइनल निराशाजनक रहा था। अब फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि वह आगामी विश्व कप में हिस्सा लेंगे। हालांकि ऐसा होता संभव नहीं दिख रहा। क्योंकि अब तक विराट 39 वर्ष के होंगे तो रोहित शर्मा 40 वर्ष के। पीयूष ने इस पर कहा कि यह उन्हें तय करना है कि वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कब संन्यास लेना चाहते हैं। अगर वे विश्व कप में खेलना चाहते हैं तो उन्हें अनुमति दी जाएगी।

शुभंकर शर्मा कोर्स रिकॉर्ड के साथ आयरिश ओपन में शीर्ष 15 में पहुंचे

रॉयल काउंटी डाउन (उत्तरी आयरलैंड)। शुभंकर शर्मा आयरिश ओपन के दूसरे दौर छह अंडर 65 के कोर्स रिकार्ड के साथ शानदार वापसी करते हुए संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए। शुरुआती दौर में चार ओवर 75 का निराशाजनक कार्ड खेलने वाले शुभंकर ने दूसरे दौर में कमाल के प्रदर्शन के साथ आसानी से कट में जगह बना ली। पार 71 के कोर्स पर 2 दौर के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर है। उन्होंने दूसरे दौर के शुरुआती 3 होल में लगातार 3 बर्डी लगाने के बाद 5वें और 8वें होल में इस कारनामे को दोहराया। उन्होंने 11वें, 12वें, 17 और 18वें होल में भी बर्डी लगाई जबकि चौथे, छठे और 15वें होल में बोगी कर बैठे।

केसीएल : विष्णु विनोद ने 17 छक्के उड़ाए, 32 गेंद में ठोका शतक

खेल डैस्क। विष्णु विनोद ने केसीएल में शानदार शतक लगाकर त्रिशूर टाइटंस को 8 विकेट से जीत हासिल करवा दी। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज ने सिर्फ 45 गेंदों पर 139 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 300 से भी ऊपर की रही। उन्होंने 31 गेंदों पर शतक लगाया और इसी दौरान 32 गेंदों में शतक पूरा किया। बीते दिनों दिल्ली प्रीमियर लीग के दौरान आयुष बदोनी ने भी तेजतर्रार बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। आयुष ने 55 गेंदों पर 19 छक्कों की मदद से 165 रन बनाए जिससे टीम स्कोर 308 तक पहुंच गया था। बहरहाल, रिपल्स ने त्रिशूर के सामने 182 का टारगेट रखा था। विष्णु ने शुरुआत से ही आक्रमक खेल दिखाया और विकेट के चारों ओर बड़े शॉट लगाए। यह विष्णु ही थे कि त्रिशूर टीम ने 13 ओवर के अंदर ही टारगेट हासिल कर लिया। विष्णु के सलामी जोड़ीदार अहमद इमरान ने 18 गेंदों में 24 रन बनाए। वहीं, रिपल्स के कप्तान मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने 58 गेंदों में 90 रन बनाकर अपनी टीम को 181 तक पहुंचाया था। केसीएल के आठवें मैच में जीत हासिल कर त्रिशूर टाइटंस अंक तालिका में आगे आ गई है। दोनों पक्ष 6 अंकों के स्तर पर हैं लेकिन टाइटंस बेहतर रन रेट के साथ अच्छी स्थिति में हैं। नाविक 14 अंकों के साथ छह टीमों की तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

कार्डिफ में गरजा लियाम लिविंगस्टोन का बल्ला, इंग्लैंड को मिली बड़ी जीत

कार्डिफ (एजेंसी)। लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बेथेल ने 47 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया पर तीन विकेट से जीत दिलाई। इंग्लैंड ने इस तरह से तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। तीसरा और निर्णायक मैच रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 193 रन बनाए।

चुनौती पूर्ण लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरे इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर एक समय तीन विकेट पर 79 रन था। लिविंगस्टोन और बेथेल ने यहीं से मोर्चा संभाला। बेथेल के 24 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट होने से इंग्लैंड की स्थिति फिर से नाजुक हो गई लेकिन लिविंगस्टोन ने 47 गेंदों में पांच छक्कों और छह चौकों की मदद से 87 रन की शानदार पारी खेलकर उसे जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जब स्कोर बराबर था तब लिविंगस्टोन आउट हो गए। ऐसे में आदिल रशीद ने विजयी रन बनाकर इंग्लैंड का स्कोर 19 ओवर में सात विकेट पर 194 रन पर पहुंचाया।

इंग्लैंड की तरफ से सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने भी 39 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कामचलाउ स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 5 विकेट लिए। लिविंगस्टोन में इससे पहले गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 16 रन देकर दो विकेट लिए। ब्रायडन कार्स ने 26 रन देकर 2 विकेट हासिल करके उनका अच्छा सहयोग दिया।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श बीमार होने के कारण मैच में नहीं खेल पाए। उनकी जगह ट्रेविस हेड ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। हेड ने 14 गेंद पर 31 रन की तूफानी पारी खेल कर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 50 रन बनाए जो उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला अर्धशतक भी है। इन दोनों के अलावा मैथ्यू शॉर्ट ने 28 और जोश इंग्लिश ने 42 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम 5 ओवर में 60 रन बनाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया : मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली, सीन एबॉट, एडम ज़म्पा

इंग्लैंड : फिलिप साल्ट (विकेटकीपर/कप्तान), विल जैक्स, जॉर्डन कॉक्स, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, सैम कुरेन, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्से, आदिल राशिद, साकिब महमूद, रीस टॉपले

विराट की कप्तानी से ही आया था भारतीय टीम में बदलाव : पोंटिंग

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा है कि विराट की आक्रामक कप्तानी में ही भारतीय टीम में बदलाव आया था। उनके दौर में खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने के लिए प्रेरित किया गया। जिससे भारतीय टीम को विदेशी धरती पर भी खासी सफलता मिली है क्योंकि अब भारतीय खिलाड़ी बड़े मंच पर नहीं डरते हैं और निर्भीक होकर खेलते हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि विराट भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 40 टेस्ट मैच जीते हैं जबकि 17 हारे हैं वहीं 11 टेस्ट ड्रॉ रहे। कोहली की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने विदेशी धरती पर कठिन हालातें में सफलता हासिल की है। पोंटिंग ने टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के योगदान की भी सराहना की। द्रविड़ ने टी20 विश्व कप में जीत के बाद अपना पद छोड़ दिया था। पोंटिंग ने कहा, ' विराट की कप्तानी की शुरुआत की बात करें तो उन्होंने क्रिकेट को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई और द्रविड़ ने पिछले चार साल इसे जारी रखा। कोहली जैसे खिलाड़ी का टीम पर प्रभाव बहुत शानदार पड़ा है। ' विराट की कप्तानी में ही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी। इसके अलावा टीम ने अन्य स्थानों पर भी कुछ यादगार जीत दर्ज की। कोहली ने कप्तानी में अपनी आक्रामकता से सभी को यह विश्वास दिलाया कि भारतीय टीम विदेशों में भी जीत सकती है और जब वह टीम में नहीं थे तब भी उनका आत्मविश्वास टीम पर हावी रहा।

सूर्यकुमार ने भारत के युवा खिलाड़ियों से कहा, खुद पर भरोसा रखें, आप सब विशिष्ट कौशल के धनी हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने यहां भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को अपने अद्वितीय कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, टीम के रूप में एकजुट होने और प्रक्रिया पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारत के टी20 कप्तान नियुक्त किए गए 33 वर्षीय सूर्यकुमार ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर पोस्ट किया,''भारत की लड़कों की अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ श्रृंखला की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने शिविर के इतर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ बातचीत करने का सुनहरा अवसर मिला।'' एनसीए के एक सूत्र ने कहा कि सूर्यकुमार ने लड़कों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें।

सूर्यकुमार ने कहा,''आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आप में से प्रत्येक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करें। प्रक्रिया और दिनचर्या पर अधिक ध्यान केंद्रित करें। परिणाम स्वयं ही आपके अनुकूल होगा।'' टीम में भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ भी हैं। उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान एक दिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि सोहम पटवर्धन चार दिवसीय मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत अंडर-19 टीम पुडुचेरी में 21, 23 और 26 सितंबर को 50 ओवर के तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 से भिड़ेगी। इसके बाद 30 सितंबर से चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच होंगे।

दक्षिण अफ्रीकी महिला से शादी के बाद बदली स्पिनर ताहिर की तकदीर

-काउंटी क्रिकेट में असफल होने पर करना पड़ा था टॉयलेट साफ करने का काम

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर इमरान ताहिर को अपने करियर में काफी संघर्ष करना पड़ा। ताहिर का जन्म पाकिस्तान में हुआ था पर टीम में जगह नहीं मिलने पर वह इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने गये पर वहां भी सफल नहीं होने के कारण उन्हें एक दुकान में तक काम करना पड़ा। इस दौरान ताहिर को साफ सफाई व टॉयलेट धोने तक का काम करना पड़ा। ताहिर की किस्मत साल 2005 में दक्षिण अफ्रीकी महिला सुमाया दिलदार से शादी के बाद बदली। उन्हें दक्षिण अफ्रीका की नागरिकता मिली जिसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए क्रिकेट खेलना शुरू किया। ताहिर ने साल 2011 में दक्षिण अफ्रीका के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जिसमें उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करते हुए 4 विकेट लिए। एकदिवसीय क्रिकेट में ताहिर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और 58 मैचों में 100 विकेट हासिल करने वाले सबसे तेज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने। ताहिर एकदिवसीय विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सबसे ज्यादा 39 विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। वह एकदिवसीय और टी20 में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर ताहिर हैं। टी20 में वह सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने। आईसीसी के तीनों प्रमुख टूर्नामेंटों एकदिवसीय विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप में एक मैच में 4 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

ट्रेविस हेड सहित इन तीन खिलाड़ियों के नाम है ये अनचाहा रिकार्ड

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट और ट्रेविस हेड अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इन क्रिकेटरों ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया है पर इनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड है जिसे ये भूलना चाहेंगे। ये तीनो ही अपने करियर में अब तक एक-एक बार टेस्ट की दोनो ही पारियों में पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। आज के दौर में जहां अपनी तूफानी बल्लेबाजी से ट्रेविस हेड एक मैच विजेता के तौर पर उभरे हैं। वहीं पिछले दौर में यही भूमिका गिलक्रिस्ट और सहवाग निभाते आये हैं। अपने आक्रामक खेल से टेस्ट क्रिकेट को भी इन्होंने रोमांचक बनाया। जहां गिलक्रिस्ट ने वनडे और टी20 में ओपनिंग की, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने मध्य क्रम में बल्लेबाजी की। दूसरी ओर, सहवाग और हेड ने टेस्ट क्रिकेट में पारी शुरु करते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विपक्षी टीमों को दबाव में रखा। सहवाग और गिलक्रिस्ट का टेस्ट स्ट्राइक रेट 80 से ऊपर रहा है, जो उन्हें उनके दौर के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल करता है। गिलक्रिस्ट का स्ट्राइक रेट 81.95 और सहवाग का 82.23 रहा है, जबकि ट्रेविस हेड का ओपनर के रूप में स्ट्राइक रेट 82.00 है, जो उन्हें सहवाग जैसा खिलाड़ी बनाता है हालांकि, हेड का कुल टेस्ट स्ट्राइक रेट 64.71 है, लेकिन सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्हें भेजे जाने के बाद यह बेहतर हुआ है। टेस्ट क्रिकेट में गिलक्रिस्ट, सहवाग और हेड का औसत 40 से ऊपर का है। गिलक्रिस्ट ने 96 टेस्ट में 47.60 के औसत से 5570 रन बनाए, जबकि सहवाग ने 104 टेस्ट में 49.34 के औसत से 8586 रन बनाए। हेड ने अब तक 49 टेस्ट में 41.75 के औसत से 3173 रन बनाए हैं। इन तीनों धुरंधरों के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड भी दर्ज है। ये तीनों खिलाड़ी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हुए हैं। गिलक्रिस्ट 2001 के कोलकाता टेस्ट में भारत के खिलाफ दोनो ही पारियों में खाता नहीं खोल पाये थे। वहीं सहवाग 2011 में एजबेस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दोनो ही पारियों में पहली गेंद पर ही शिकार बने। इसके अलावा इसी साल जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ हेड भी दोनो पारियों में पहली ही गेंद पर आउट हुए।

गणपति बप्पा का स्वागत: आस्था, मैत्री और आनंदमय उत्सव

सुरत भुमि, सूरत। व्हाइट लोटस इंटरनेशनल स्कूल में, हमने हर्षोल्लास के साथ गणपति बप्पा का हार्दिक स्वागत करते हुए गणेश चतुर्थी मनाई। यह पवित्र दस दिवसीय त्योहार हमारे शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा बड़े उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह हमारे किंडरगार्टन के छात्रों के लिए एक विशेष समय है, जब वे भगवान गणेश को सम्मान देते हैं और मानते हैं कि ज्ञान के भगवान उनका जन्मदिन मनाने और उन्हें अच्छे स्वास्थ्य, ज्ञान और अच्छे आदर्शों का आशीर्वाद देने आए हैं।

इस त्यौहार को हमारी छोटी लड़कियों ने जीवंत बना दिया, जिन्होंने भगवान गणेश के लिए एक पार्टी की योजना बनाई, हाथी देवता की सुंदर छवियां बनाई और उनकी मूर्ति को प्यार और रचनात्मकता से सजाया। हमारे प्राथमिक छात्र भगवान गणेश को एक बच्चा और एक मित्र मानते हैं और जब वे उनके दर्शन करते हैं तो उन्हें बहुत खुशी होती है। उनकी उपस्थिति उपहार, मिठाइयाँ और पारंपरिक मिठाइयाँ और नमकीन भोजन लाती है। बच्चे एक साथ गाते हैं, "हे मेरे मित्र गणेश, सदैव मेरे साथ रहो!"

हमारी प्रिंसिपल श्रीमती पूर्विका सोलंकी ने इन दिनों को विशेष बनाया, कई रोमांचक गतिविधियों का आयोजन किया और आनंदमय प्रार्थना आरती का आयोजन किया, जिससे इन दिनों को बच्चों के लिए और भी यादगार बना दिया गया। यह त्यौहार उनके लिए एक सच्चा उत्सव है, जिसमें वे अपने प्यारे दोस्त के साथ दस दिन खुशी से बिताते हैं। अपने जादुई दोस्त को अलविदा कहना कठिन है, लेकिन वे यह सोचकर निकलते हैं कि जैसे ही वे स्कूल के बाद घर जाते हैं, भगवान गणेश भी अपने निवास स्थान पर वापस चले जाते हैं।

सनातन युवा संगठन द्वारा गणेश उत्सव का भव्य आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। 10 दिनी गणेश उत्सव के दौरान शहर भर में शाम के समय गणेशजी के पांडालों में आरती, पूजा और अर्चना की जा रही है। नवागांव अश्विनी पार्क शिव मंदिर स्थित सनातन युवा संगठन की ओर से गांव में हर साल की तरह इस साल भी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस अवसर पर PSI जयप्रकाश तिवारी , सज्जन उपाध्याय , पप्पू तिवारी, छठ मानव सेवा ट्रस्ट के प्रमुख गुलजारीलाल उपाध्याय विजय पांडे अवधेश दुबे डॉ कमलेश मिश्रा, डॉ अमित दुबे, संजय मिश्रा (कलरटैक्स) तथा अन्य महान भाव उपस्थित होकर भगवान गणेश जी की आरती की।

सुरत भुमि, सूरत। शंकर दुबे ने बताया कि प्रतिमा में भगवान गणेश सिंहासन पर विराजित है। प्रतिमा शहर में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समिति की ओर से सुबह शाम पंडाल में गणेश जी की पूजा कर आरती की जा रही है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर प्रसाद का लाभ ले रहे हैं शिव उत्सव मित्र मंडल द्वारा कई वर्षों से लगातार पूजा अर्चना की जा रही है इस अवसर पर सूरत महानगरपालिका के पूर्व डिप्टी मे दयाशंकर सिंह उत्तर भारतीय सामाजिक अग्रणी रामकिंकर ओझा उमाकांत पांडे डॉ कमलेश मिश्रा डॉअमित दुबे संजय मिश्रा आकाश सिंह राजपूत तमाम अग्रणियों में भगवान गणेश जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

रविकिरण – रीजेंसी, महादेव नगर

विजेताओं का किया सम्मान

सुरत, सूरत भूमि। इंटरस्कूल आर्ट कम्पीटशन – कलाकृति में महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप डांस कम्पीटीशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया, प्रथम स्थान ट्रॉफी जीतने वाले बच्चों को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में सम्मानित किया गया।

सैमसंग टीवी प्लस ने चैनल लाइनअप का विस्तार किया, इंडिया टीवी ग्रुप के 4 नए FAST चैनल्स जोड़े

गुरुग्राम। सैमसंग टीवी प्लस, जो भारत में सैमसंग का फ्री ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टीवी (ख्वस्ज्ञ) सर्विस है, ने इंडिया टीवी ग्रुप के साथ मिलकर चार नए चैनल लॉन्च किए हैं। इस साझेदारी के तहत, इंडिया टीवी ग्रुप के खास ष्ठञ्जक्क चैनल्स – इंडिया टीवी, इंडिया टीवी स्पीड न्यूज, इंडिया टीवी आप की अदालत, और इंडिया टीवी योगा अब सैमसंग टीवी प्लस पर उपलब्ध होंगे। अब दर्शक आसानी से न्यूज़, करंट अफेयर्स, फिटनेस और मनोरंजन के बेहतरीन कार्यक्रम देख सकते हैं।

सैमसंग टीवी प्लस एक फ्री स्ट्रीमिंग सर्विस है, जो सैमसंग स्मार्ट टीवी पर पहले से इंस्टॉल होती है। यह सर्विस न्यूज़, खेल, मनोरंजन समेत कई प्रकार के 100 से अधिक लाइव चैनल्स और हजारों फिल्में और शोज़ ऑन-डिमांड उपलब्ध कराती है।

सैमसंग टीवी प्लस के हेड ऑफ पार्टनरशिप्स, कुणाल मेहता ने कहा, "सैमसंग टीवी प्लस हमेशा अपने दर्शकों तक ख्वस्ज्ञ के जरिए बेहतरीन कंटेंट पहुंचाने में सबसे आगे रहा है। हम अपने उपभोक्ताओं को ऐसा कंटेंट देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो उनके लिए दिलचस्प और उपयोगी हो। इंडिया टीवी ग्रुप के चार नए चैनलों को जोड़ना हमारे इस विजन को दिखाता है कि हम उच्च गुणवत्ता और विविधतापूर्ण कंटेंट प्रदान करना चाहते हैं।"

इंडिया टीवी के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर, अमित कुमार सिन्हा ने कहा, "सैमसंग टीवी प्लस के साथ हमारा सहयोग दर्शकों के लिए नए अवसर लेकर आया है। यह हमारे दर्शकों को अलग-अलग तरह का बेहतरीन कंटेंट देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें पूरा विश्वास है कि इंडिया टीवी और सैमसंग टीवी प्लस की यह साझेदारी ऑनलाइन कंटेंट देखने का एक नया और बेहतर अनुभव प्रदान करेगी।"

सागर मेहता: एमेज़ॉन में इंजीनियरिंग एक्सीलेंस और क्वालिटी एश्योरेंस लाने की मिसाल

इंजीनियर्स टेक्नोलॉजी के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने और कंपनियों व इंडस्ट्रीज़ के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमेज़ॉन में हजारों की संख्या में इंजीनियर्स हैं, जो न सिर्फ जटिल समस्याओं से बखूबी निपटते हैं, बल्कि प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने और ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पर काम करते हैं। एमेज़ॉन में क्वालिटी इंजीनियर के रूप में कार्यरत सागर मेहता, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति इस समर्पण की जीती-जागती मिसाल हैं।

गुजरात के ऐतिहासिक तटीय शहर पोरबंदर में जन्मे और पले-बढ़े सागर अपने परिवार में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले पहले व्यक्ति थे। सीमित संसाधनों और मार्गदर्शन के बावजूद, समस्या-समाधान के प्रति उनकी जिज्ञासा और जुनून ने उन्हें वडोदरा में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के लिए प्रेरित किया। हालाँकि, उच्च शिक्षा के लिए घर से दूर जाना एक बड़ा कदम था, इसके बावजूद उन्होंने अपने जुनून का पालन करते हुए टेक्नोलॉजी में अपना करियर स्थापित करना सुनिश्चित किया।

गणित और विज्ञान में उनकी रुचि के कारण सागर का टेक्नोलॉजी के प्रति जुनून निरंतर रूप से बढ़ता रहा। कॉलेज में, वे जैसे-जैसे सिस्टम बनाना और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करना सीखते गए, वैसे-वैसे इसके प्रति उनका आकर्षण भी बढ़ता गया। तकनीकी चुनौतियों ने उन्हें निरंतर सीखने और नवाचार पर केंद्रित करियर स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

वर्ष 2020 में, सागर एमेज़ॉन में क्वालिटी इंजीनियर ढ्ढ के रूप में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने प्रक्रिया सुधार और स्वचालन के लिए अपने जुनून के साथ टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल की। शुरुआती स्तर पर उन्होंने विभिन्न प्रणालियों के लिए मैनुअल और स्वचालित परीक्षण सूट को विकसित करने के साथ ही उनका रखरखाव किया। समय के साथ, सिस्टम में आ रही परेशानियों की पहचान करना और रिपोर्ट करना, जूनियर इंजीनियर्स को सलाह देना और प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में टीम का नेतृत्व करना उनकी भूमिका में शामिल हो गया। उन्होंने पहल करके सफलतापूर्वक कार्यक्रमों को फिर से तैयार किया और मार्केटिंग और यूएक्स में सुधार किया। उनके काम ने अभियानों को आसान बना दिया और ग्राहकों को बहुत आसानी से प्रोडक्ट्स ढूँढने में मदद की। यह ग्राहकों के

अलोहा सेंटर के छात्रों ने शहर के गणेश मंडलों से अपील की है कि वे पीओपी की मूर्ति को तापी नदी में न बहाएं

सूरत। विश्व नदी दिवस के मद्देनजर सूरत के नागरिकों से अपील है कि वे पीओपी से बनी गणेश मूर्तियों के निपटान से बचकर तापी नदी के पानी को प्रदूषण से बचाएं। नदियाँ मानव जाति के लिए जीवन रेखा हैं, इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करें और पर्यावरण-अनुकूल निर्वहन की ओर बढ़ें। विश्व नदी दिवस के अवसर पर अलोहा मेंटल अरिथमेटिक सेंटर के छात्रों द्वारा तापी बचाओ अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत शहर के गणेश मंडलों से अपील की गई है कि वे तापी नदी में पीओपी की मूर्ति न रखें। छात्रों द्वारा जागरूकता बैनर भी बनाए गए थे, जिन पर लिखा था, स्वच्छ जल, स्वच्छ जीवन, चलो अब कुछ नाम करें तापी बचाने का, संकल्प लें कि तापी में पीओपी की मूर्ति नहीं रखेंगे, अब हमने यह थाना है तापी को बचाना है, यदि हम तापी बचाएंगे। फिर तापी हमें बचाएगी जैसे नारों के जरिए जागरूकता पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

द बिग बिलियन डेज़ के 11वें संस्करण से पहले 9 शहरों में आयोजित फ्लिपकार्ट के सेलर कॉन्क्लेव में 4500 विक्रेताओं ने अंतर्दृष्टि और रणनीतियाँ सीखीं

बेंगलुरु । भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने भारत के 9 प्रमुख शहरों में सेलर कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक आयोजन किया है, जो पूरे भारत में 1.4 मिलियन उद्यमियों और विक्रेताओं के लिए व्यवसाय विकास के अवसरों को बढ़ावा देने की फ्लिपकार्ट की पहल का हिस्सा है। ऑन-ग्राउंड विक्रेता कॉन्क्लेव में हैदराबाद, जयपुर, सूरत, दिल्ली, आगरा, मुंबई, बैंगलोर, लुधियाना और तिरुपुर के 4500 से अधिक विक्रेताओं ने भाग लिया, जो उनके निरंतर सहयोग और प्रयासों में विक्रेता के विश्वास को उजागर करता है।

यह सत्र विशिष्ट ग्राहक खरीद मांग पैटर्न और विकास योजनाओं में गहन जानकारी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। द बिग बिलियन डेज़ के 11वें संस्करण से पहले, विक्रेताओं को त्योहारी मांग को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सही उपकरणों से लैस होना था।

फ्लिपकार्ट की त्योहारी अवधि 'बिग सेल ऑफ स्मॉल थिंग्स' सेल इवेंट के साथ शुरू होगी जो 15 सितंबर, 2024 से लाइव होगी। इस त्योहारी सीज़न की शुरुआत से, बाज़ार विक्रेता बिग बिलियन डेज़ तक प्लेटफ़ॉर्म पर आवश्यक और मूल्यवान वस्तुओं का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे। ये उत्पाद फैशन, सौंदर्य, गृह सज्जा, छोटे इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य सहित विभिन्न श्रेणियों को कवर करेंगे।

द बिग बिलियन डेज़ पारिस्थितिकी तंत्र में अनगिनत रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए तैयार है, हमारे मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं द्वारा बनाए गए अवसरों और रोजगार के माध्यम से 1 लाख से अधिक और कई अन्य नौकरियां पैदा होंगी।

फ्लिपकार्ट के बिजनेस हेड-मार्केटप्लेस सकात चौधरी कहते हैं, "फ्लिपकार्ट में, हम अपने 1.4 मिलियन से अधिक विक्रेता समुदाय को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पूरे भारत में आयोजित ऑन-ग्राउंड विक्रेता कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले 4500 से अधिक विक्रेताओं के साथ, हम उन्हें द बिग बिलियन डेज़ के 11वें संस्करण में आगे बढ़ने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और रणनीतियों से लैस कर रहे हैं। हमने अधिक समावेशी और विकासोन्मुख विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए रेट कार्ड सरलीकरण और उद्योग-प्रथम नीति परिवर्तन सहित कई नए कार्यक्रम भी पेश किए हैं।

विक्रेता कॉन्क्लेव में फ्लिपकार्ट के वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी थी, जिनमें रजनीश कुमार, मुख्य कॉर्पोरेट मामलों के अधिकारी, फ्लिपकार्ट समूह: सकात चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बिजनेस हेड – मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट- हेमंत बद्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और आपूर्ति श्रृंखला के प्रमुख, ग्राहक शामिल थे। अनुभव और रीकॉमर्स- जयेंद्रन वेणुगोपाल, मुख्य उत्पाद और प्रौद्योगिकी अधिकारी, फ्लिपकार्ट, संदीप करवा, उपाध्यक्ष और प्रतीक शेट्टी, विपणन और मीडिया प्रमुख, फ्लिपकार्ट ने अपनी मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की और त्योहारी सीजन के दौरान विक्रेताओं के लिए भविष्य के जबरदस्त अवसरों पर प्रकाश डाला। फ्लिपकार्ट द बिग बिलियन डेज़ के दौरान विक्रेताओं की सफलता को अधिकतम करने के लिए उन्नत एनालिटिक्स और इन्वेंट्री के साथ उनका समर्थन भी करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित।